www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
6 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 123 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद पर चला बुलडोजर

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी में सहारनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में 70 साल पुरानी मस्जिद ढहाई जा रही है। शनिवार तड़के 4 बजे से 6 बुलडोजर मस्जिद को तोड़ने में जुटे हैं। एहतियात के तौर पर 5 कंपनी पीएसी, रैफ और पुलिस के 200 जवान तैनात हैं। पुलिस किसी को मस्जिद के पास जाने नहीं दे रही है। फिलहाल मस्जिद का 70 फीसदी हिस्सा तोड़ा जा चुका है। कार्रवाई मजिस्ट्रेट के आदेश पर हो रही है। कोर्ट ने मस्जिद को अवैध बताया था। इससे पहले, शुक्रवार रात 11 बजे अफवाह फैली कि प्रशासन मस्जिद को तोड़ने जा रहा है। इसके बाद भारी भीड़ जुट गई थी। तुरंत ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को हटाया। कार्रवाई के खिलाफ सहारनपुर आ रहीं कैराना सांसद इकरा हसन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लखनऊ में कहा कि सच्चा हिंदू कभी दूसरे धर्म का अपमान नहीं कर सकता। ये इसलिए हो रहा है, क्योंकि भगवान राम के मंदिर में चोरी करते हुए पकड़े गए हैं। वहीं ओवैसी ने कहा कि क्या मुसलमानों के लिए अब मजहबी आजादी का संवैधानिक हक भी नहीं बचा है। हमारी इबादतगाहों पर बार-बार कमजोर और मनगढ़ंत वजहों के नाम पर बुलडोजर क्यों चलाया जाता है।

महिला प्रतिनिधित्व पर कांग्रेस की कथनी-करनी अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में वन मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक तरफ महिलाओं को राजनीति में प्रतिनिधित्व देने की बात करती है, लेकिन दूसरी तरफ उसके ही शासन वाले राज्यों में महिला मंत्रियों की संख्या न के बराबर है। त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस की चार राज्यों में सरकार है। लेकिन सिर्फ 3 मंत्री पद पर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा- हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में एक भी महिला मंत्री नहीं है। केरल में दो महिला मंत्री हैं, जबकि तेलंगाना में दो में से एक मंत्री को हटा दिया गया। इस तरह चार राज्यों में अब सिर्फ तीन महिला मंत्री रह गई हैं। यह महिलाओं के साथ अन्याय है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कोंडा सुरेखा को तत्काल प्रभाव से मंत्रिमंडल से हटा दिया था। यह फैसला सुरेखा की बेटी की ओर से मुख्यमंत्री और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर विवाद हुआ था।

देश में कोयले की कमी बढ़ेगा बिजली संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली की भारी मांग और मानसून के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों के चलते देशभर के थर्मल पावर प्लांट्स में कोयले का भंडार तय मानक के आधे से भी कम रह गया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के मुताबिक, 2 सितंबर तक देश के 50 पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल यानी गंभीर रूप से कम स्तर पर पहुंच गया है। सीईए के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 224 गीगावाट की संयुक्त क्षमता वाले इन संयंत्रों के पास बुधवार तक 28.2 मिलियन टन कोयला उपलब्ध था, जो कि 58.7 मिलियन टन की निर्धारित आवश्यकता का महज 48 प्रतिशत है। 85 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पर यह उपलब्ध स्टॉक लगभग 9 दिनों की जरूरत के लिए ही पर्याप्त है, जबकि सामान्य स्थिति में कम से कम 19 दिनों का बैकअप होना चाहिए।

संयंत्रों में 25 फीसदी से भी कम बचा कोयला स्टॉक- नियमों के अनुसार, जिन संयंत्रों के पास निर्धारित मानक का 25 प्रतिशत से भी कम कोयला बचता है, उन्हें क्रिटिकल श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है।

प्रदेश के 19 शिक्षकों को मिला शैलेश मटियानी पुरस्कार

उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्यपाल ने किया सम्मानित

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने आज शनिवार को शिक्षक दिवस पर प्रदेश के 19 शिक्षकों को शैलेश मटियानी राज्य शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों में प्रारंभिक शिक्षा के 12, माध्यमिक शिक्षा के छह और प्रशिक्षण संस्थान से एक शिक्षक शामिल है।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षकों को हर साल शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इस साल 19 शिक्षकों को यह पुरस्कार दिया गया। लोकभवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में राज्यपाल ने शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किए।

इसमें पौड़ी के विष्णुपाल सिंह नेगी, चमोली के लखपत सिंह रावत, उत्तरकाशी के पृथ्वी सिंह रावत, देहरादून के वीरेंद्र सिंह रावत, हरिद्वार के रोबिन कुमार, टिहरी के महेश्वर प्रसाद सेमवाल, रुद्रप्रयाग के शशिकांत नौटियाल, चंपावत के जहीर अब्बास, ऊधमसिंह नगर के नौ सिंह, नैनीताल की डॉ.श्वेता, पिथौरागढ़ के विक्रम सिंह परिहार और अल्मोड़ा के त्रिलोक सिंह अधिकारी को पुरस्कृत किया गया।

माध्यमिक शिक्षा से पौड़ी के नरेंद्र सिंह नेगी, चमोली के डा.सुमन ध्यानी शर्मा, देहरादून के डॉ.अतुल कुमार श्रीवास्तव, हरिद्वार के कमलेश पंवार, चंपावत के नवीन चंद्र पंत व नैनीताल के विशन सिंह मेहता को पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं, प्रशिक्षण संस्थान से उत्तरकाशी के डॉ.सुबोध सिंह बिष्ट को सम्मानित किया गया।

जोधपुर में शुरू हुआ 'वीर गार्जियन 2026' युद्धाभ्यास

आसमान में गरजेगी भारत और जापान की संयुक्त ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना और जापान की वायुसेना के बीच द्विपक्षीय युद्धाभ्यास वीर गार्जियन 2026 का आगाज हो गया है। यह अभ्यास 9 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के दो सी-2 विमान जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, इनके साथ जापानी दल इस अभ्यास के दूसरे संस्करण में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है।

मजबूत होंगे दोनों देशों के रिश्ते- भारतीय वायुसेना ने कहा कि यह अभ्यास दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, ऑपरेशनल सहयोग और आपसी समझ को और बढ़ाएगा। इससे भारत और जापान के बीच दोस्ती के स्थायी बंधन और मजबूत होंगे। बता दें कि एक्सरसाइज वीर गार्जियन 2026 एक द्विपक्षीय हवाई युद्ध है।

'ऑपरेशन अशदर' में मारे गए आतंकी की पहचान

पहलगाम आतंकी हमले में था शामिल, सेना ने किया ढेर अंतिम आतंकी का भी खात्मा, पाक से निकला कनेक्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ऑपरेशन अशदर में मारे गए आतंकवादी की पहचान कर ली है। पुलिस के अनुसार आतंकवादी की पहचान यासिर के तौर पर हुई है। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। वह पाकिस्तानी का रहने वाला था।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन के बाद मारे गए आतंकवादी की पहचान कर ली गई है। यह पाकिस्तान के रहने वाला था और वहां के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से जुड़ा था। पुलिस ने लखा है कि आप भाग सकते हैं लेकिन छिप नहीं सकते। इस आतंकी का पहलगाम आतंकी हमले से भी कनेक्शन जुड़ रहा है।

पहलगाम के हमलावरों का साथी था यासिर

पहलगाम हमले के बाद जब आतंकवादियों की तस्वीर जारी की गई थी। उसमें यासिर भी शामिल था। ऑपरेशन अशदर में पाकिस्तान के रहने वाले इस आतंकवादी को मार गिए जाने को बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने धर्म पूछकर लोगों को मारा था। सुरक्षा एजेंसियों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद कुल चार आतंकियों की एक संयुक्त तस्वीर जारी की थी। इसमें सुलेमान शाह, जुनैद रमजान, हाशिम मूसा के साथ यासिर की तस्वीर थी।

राजस्थान-एमपी और यूपी में झमाझम बारिश

सभी नदियां उफान पर, स्कूल बंद, बिहार में बाढ़ 6.65 लाख लोग प्रभावित, चारधाम यात्रा रुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, मध्यप्रदेश और यूपी में लगातार बारिश हो रही है। एमपी के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है। शिवपुरी-मुरैना समेत 7 जिलों में स्कूल बंद हैं। राजस्थान के धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर में शनिवार को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जयपुर में रातभर हुई बारिश के कारण तापमान में 7 डिग्री तक की गिरावट आई है। झालावाड़ में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर ऐक्टिव है। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले पांच दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। गंगा-यमुना समेत 10 से अधिक नदियों के उफान पर होने से प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित हैं, जबकि 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है वहीं बिहार में भी 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेजे गए स्वतंत्र भारद्वाज

निशु आजाद के पिता से मारपीट मामले में ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान निशु आजाद के पिता से मारपीट के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक दिन पहले भारद्वाज को पुलिस ने पकड़ा था अब उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। कड़कड़डूमा कोर्ट कॉम्प्लेक्स में संबंधित जज के आवास पर शनिवार को स्वतंत्र भारद्वाज की पेशी हुई। जिसके बाद उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में जज ने भेजा है। यह मामला प्रदर्शनकारी निशु आजाद के पिता संजय आजाद संग मारपीट की घटना से जुड़ा है। वहीं 'इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज के सपोर्ट में कुछ हिंदूवादी संगठनों ने पर्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाद प्रदर्शन भी किया है। स्वतंत्र भारद्वाज पर जिस कथित मारपीट की घटना को लेकर कार्रवाई हो रही ये पूरा मामला जुलाई में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान का है। हालांकि अब ये सुर्खियो इसलिए आया क्योंकि स्वतंत्र भारद्वाज ने दो दिन पहले ही एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि उसने प्रदर्शनकारी निशु आजाद के पिता संजय का सिर फोड़ दिया था और उन्हें 60 टांके लगे थे। घटना के बाद संजय को गंभीर हालत में एम्बुलेंस से ले जाया गया।

भारत ने सिंधु नदी पर बनाया पत्थरों का बांध

10 फीट तक बढ़ा जलस्तर, बढ़ेगी पाक की मुश्किल

लेह (एजेंसी)। सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच भारत ने लद्दाख में पत्थरों का ऐसा बांध बना दिया है, जिससे लद्दाख के बंजर क्षेत्र को पानी मिलने के साथ पाकिस्तान की मुसीबत और बढ़ सकती है। पत्थरों का इस्तेमाल कर बनाए इस चेक डैम से सिंधु का जलस्तर 10 फीट ऊपर हो गया है और इससे चार करोड़ लीटर पानी लद्दाख के सूखे खेतों को मिल सकेगा। यहां बता दें की सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु नदी का पूरा पानी पाकिस्तान चला जाता था और लद्दाख की जमीन सूखी ही रह जाती थी। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना दुखड़ा रो रहा है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन में भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस समझौते का मुद्दा उठाया था। **लेह के लिए बनाया पत्थरों का बांध-** लेह जिले के उश्शी इलाके में बने इस चेक डैम से अब करीब चार करोड़ लीटर पानी का संग्रह संभव हो सकेगा। इस पानी को सिंचाई नहर के जरिए उन खेतों तक पहुंचाया जा रहा है, जो लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे थे। ढांचे में किसी तरह का कंक्रीट या सीमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। केवल प्राकृतिक पत्थरों से इस चेक डैम को बनाया गया है। लद्दाख के किसान इस डैम के पानी का इस्तेमाल कर सकेंगे।

अब तक सूखे रहते थे खेत

लद्दाख के किसानों की सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि उनके पास दुनिया की प्रमुख नदियों में से एक सिंधु मौजूद थी, लेकिन उसका पानी खेतों तक पहुंचाना संभव नहीं था। सिंधु नदी गहरी घाटियों के बीच काफी नीचे बहती है, ऐसे में बुआई के दौरान पंपों के जरिए नदी से पानी निकालना आसान नहीं था। अब यह डैम बनने से जलस्तर करीब 10 फीट ऊंचा हो गया है और इससे पानी को खेतों तक पहुंचाना संभव हो पा रहा है। भले ही इससे बिजली उत्पादन संभव नहीं है, पर लद्दाख के किसानों के लिए यह योजना वरदान बनेगी।

तमिलनाडु में स्कूल के खाने में मिलवाया गोबर पाउडर

पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के इरोड जिले में सरकारी स्कूल के खाने में गोबर पाउडर मिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 48 साल के अरुमुगम को गिरफ्तार किया है। वह स्कूल की रसोइया का पति है। वह अपनी पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था। मामला सत्यमंगलम के पास रामापयलूर के सरकारी मिडिल स्कूल का है, जहां 51 बच्चे पढ़ते हैं। जांच में पता चला कि पाउडर सिर्फ टीचरों के लिए अलग रखे गए सांभर में मिला था, बच्चों को परोसे जाने वाले खाने में नहीं। 31 अगस्त को स्कूल की शिक्षिका रेवती ने नाश्ता योजना के तहत तैयार सांभर को चखकर देखा। उन्हें इसका स्वाद कड़वा लगा। उन्होंने हेडमिस्ट्रेस कुमुधा को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सत्यमंगलम ब्लॉक विकास अधिकारी की सलाह पर हेडमिस्ट्रेस ने पुलिस में शिकायत की। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि गोबर पाउडर सिर्फ टीचर्स के लिए रखे गए सांभर के सैंपल में मिला था।

झीरम घाटी हमले में 13 साल बाद आया ऐतिहासिक फैसला

एनआईए की विशेष अदालत ने सभी 10 आरोपियों को ठहराया दोषी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के इतिहास के सबसे काले और दहला देने वाले अध्यायों में से एक, झीरम घाटी नक्सल हमले के मामले में आखिरकार न्याय की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने करीब 13 साल पुराने इस मामले में शनिवार को अहम फैसला सुनाते हुए सभी 10 बचे हुए आरोपियों को दोषी करार दिया है। लंबे समय से फैसले का इंतजार कर रहे पीड़ित परिवारों और समर्थकों के लिए यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है।

25 मई 2013 को हुआ था नरसंहार

यह वीभत्स घटना 25 मई 2013 की है, जब कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन यात्रा के दौरान दरभा की झीरम घाटी में नक्सलियों ने घात लगाकर सुनियोजित हमला किया था। इस भीषण नक्सल हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा, और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 32 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के दो दिन बाद जांच एनआईए को सौंपी थी।

मोदी ने पूछा-पब्लिक से कैसे बात करें, हमें टिप्स दें

महिला टीचर का जवाब-आपको कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए पीएम की राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया गया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना चाहिए। इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर्स ने कहा कि इसकी प्रैक्टिस करनी होती है। इस साल तीन विभागों से 82 टीचर्स और एजुकेटर्स को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड के लिए चुना गया। इनमें 48 स्कूली टीचर हैं। इनके अलावा उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक से 21 फैकल्टी सदस्य, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से 13 स्किल ट्रेनर चुने गए हैं।

स्क्रीन टाइम एक तरह से लत बन गया

स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बन गया है। मेरे मन में एक विचार आता है। अगर कोई बच्चा खेलों में गहरी रुचि लेना शुरू कर दे और खेल से मेरा मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर जाकर वास्तविक खेल खेलने से है तो धीरे-धीरे वह इस लत से बाहर निकल सकता है। ड्रेस कोड का मुद्दा कुछ बड़े शहरों या यूनिवर्सिटी में सामने आया है। वहां अक्सर जागरुकता की कमी होती है। कभी-कभी नियम बिना किसी स्पष्टीकरण के ही लागू कर दिए जाते हैं।

मानसून ने बढ़ाई मुश्किल, गंगोत्री-यमुनोत्री मार्ग ले रहा परीक्षा

चमोली। राज्य में इस बार भी मानसून में भूस्खलन, भूधंसाव के चलते मार्ग बंद होने और खुलने की स्थिति बनती रही। गंगोत्री, यमुनोत्री मार्ग पर हो रहा भूस्खलन करीब हर दिन मुसीबत बन रहा है। बदरीनाथ मार्ग की कुछ राहत की स्थिति रही है। अन्य वर्षों की तुलना में इस बार बदरीनाथ हाईवे 24 घंटे से अधिक समय तक बंद नहीं रहा। इसका मुख्य कारण भूस्खलन व भूधंसाव क्षेत्रों में ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत उपचार किया जाना माना जा रहा है। हालांकि ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के बीच हाईवे चौड़ीकरण कार्य न होने से तीर्थयात्रियों को जाम की परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं, पिछली बार की तुलना में बारिश कम होना भी एक कारण माना जा रहा है।

गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर हो रहा भूस्खलन हर दिन बन रहा मुसीबत

उत्तरकाशी जिले के यमुनोत्री हाईवे पर पालीगाड से जानकीचट्टी तक हो रहे चौड़ीकरण के कार्यों में अनियंत्रित कटान व योजना के तहत कार्य न होने के कारण स्यानाचट्टी, रानाचट्टी और सिलाई बैंड में कई दिनों तक आवाजाही बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं पहाड़ों से गिर रहे बोल्डरों से भी कई लोग घायल हुए। गंगोत्री हाईवे पर धरासू, भटवाड़ी सहित नालूपानी के भूस्खलन जोन परेशानी का सबब बने हुए हैं। भटवाड़ी से डबरानी में अचानक हो रहा भूस्खलन भी मुसीबत बना हुआ है। आपदा के बाद से डबरानी, सोनगाड और भटवाड़ी आदि क्षेत्रों में अभी तक सुरक्षात्मक कार्य नहीं हो पाए हैं।

भूस्खलन क्षेत्रों के उपचार से सुगम तो तंग जगहों पर झेलनी पड़ी परेशानी

इस बार बदरीनाथ हाईवे 24 घंटे से अधिक समय तक बंद नहीं रहा। इसका मुख्य कारण भूस्खलन व भूधंसाव क्षेत्रों में ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत उपचार किया गया है।

204 ग्राम चरस के साथ रोहित थापा गिरफ्तार

विकासनगर। फास्ट फूड की दुकान की आड़ में कथित रूप से चरस की बिक्री किए जाने का मामला सामने आया है। कोतवाली विकासनगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रोहित थापा नामक युवक को 204 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी संख्या वङ16ा–2471 भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, पुल नंबर–1, विकासनगर पर वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर रोहित थापा को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 204 ग्राम चरस बरामद होने का दावा पुलिस ने किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी वर्तमान में रॉयल कॉलेज, बाड़वाला क्षेत्र में रह रहा था और मूल रूप से जिला बांके, नेपाल का निवासी बताया गया है।

फास्ट फूड दुकान की आड़ में बिक्री का आरोप

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि उसकी डाकपत्थर क्षेत्र में फास्ट फूड की दुकान है। पुलिस के अनुसार, आरोपी दुकान पर आने वाले कुछ ग्राहकों को चोरी–छिपे चरस बेचता था। इसके अलावा विकासनगर क्षेत्र से मांग आने पर चरस पहुंचाने की बात भी पूछताछ में सामने आने की जानकारी पुलिस ने दी है।

सप्लायर तक पहुंचने की कोशिश

पुलिस की कार्रवाई के बाद अब जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी को चरस की आपूर्ति कौन करता था और क्या उसके पीछे कोई बड़ा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है।

एक नजर

आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग तिथियां घोषित

ऋषिकेश। उत्तराखंड आयुर्वेद विवि ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 में स्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की तिथि घोषित कर दी है। कांउसिलिंग तीन चरणों में 15 सितंबर से 15 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। विवि ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) की ओर से विवि से स्वीकृत सीटों पर ही प्रवेश प्रक्रिया शुरु की जाएगी।

उत्तराखंड आयुर्वेद विवि ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए बीएएमएस, बीएचएमएस और बीयूएमएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउसिंलिंग कार्यक्रम घोषित कर दिया है। एनसीआईएसएम ने विवि से संबद्ध 20 संस्थानों में स्नातक पाठ्यक्रमों में करीब 1200 सीटें आवंटित की है। विवि के कुलसचिव डॉ. एसके बरनवाल ने बताया कि काउंसिलिंग तीन चरणों में आयोजित की जाएंगी। पहले चरण की काउंसिलिंग 15 सितंबर से 30 सितंबर तक, दूसरे चरण की काउंसिलिंग 5 अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक और तीसरे चरण की काउंसिलिंग 15 नवंबर से आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के परिसरों और उससे संबद्ध निजी संस्थानों में एनसीआईएसएम से प्राप्त अनुमति के आधार पर रिक्त सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर केंद्रीयकृत काउंसिलिंग कराई जाएगी।

अस्पताल में मरीज की मौत पर हंगामा

देहरादून। धूलकोट स्थित ग्राफिक एरा अस्पताल में सोमवार को एक मरीज की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। कालसी निवासी 51 वर्षीय मुन्ना लाल की मौत से आक्रोशित तीमारदारों ने चिकित्सकों पर इलाज में घोर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। विरोध–प्रदर्शन के चलते अस्पताल में काफी देर तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा।परिजनों ने बताया कि मुन्ना लाल को एक दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे खुद चलकर अस्पताल पहुंचे थे और रविवार रात तक उनकी तबीयत पूरी तरह सामान्य थी। रात को चिकित्सकों ने भी स्थिति ठीक बताई थी, लेकिन सोमवार तड़के करीब 5:00 बजे तीमारदारों को अचानक उनके निधन की खबर दे दी गई। इस सूचना से परिजन अवाक रह गए। अस्पताल पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने सीधा सवाल उठाया कि जब रात तक मरीज की हालत ठीक थी, तो चंद घंटों में ऐसा क्या हुआ कि उनकी जान चली गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग उठाई है।

नदियों में कूड़ा डालने वालों पर होगी एफआईआर

ऋषिकेश। डीएम डॉ. आशीष चौहान ने सभी नगर निगम और शहरी निकायों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। बैठक में डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि कचरा निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विशेष रूप से नदियों या उनके किनारे कूड़ा फेंकने वालों पर सीधे एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए गए हैं। संवेदनशील नदी तटों पर जाली लगाकर सुरक्षा व निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी। इसके अलावा, सभी निकायों को अनधिकृत डंपिंग साइटों को तत्काल चिन्हित करने, बल्क वेस्ट जनरेटर जैसे होटल और बड़ी सोसायटियों में गीले व सूखे कचरे का सेग्रीगेशन अनिवार्य करने तथा सेप्टिक टैंकों के मल का एसटीपी के माध्यम से ही निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

चकराता पीएनबी में स्टाफ की कमी से बैंकिंग लेनदेन बाधित

देहरादून। छावनी बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा में शनिवार को पर्याप्त स्टॉफ न होने से बैंकिंग लेनदेन प्रभावित रहा। ग्राहकों को पैसे जमा कराने और निकालने समेत अन्य कार्यों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। उन्होंने उच्चाधिकारियों से व्यवस्था में सुधार की मांग की।

अवकाश के बाद अगले दिन सुबह करीब 10:00 बजे बैंक खुला। पर्याप्त कर्मचारी नहीं पहुंचने के कारण कामकाज शुरू नहीं हो सका। दूरदराज के गांवों से आए ग्राहकों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। ग्राहक पंकज जैन ने बताया कि दोपहर 1:30 बजे केवल एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मौजूद रही। शाखा प्रबंधक पवन ने बताया कि अन्य कर्मचारी अवकाश पर थे और प्रणाली में तकनीकी समस्या थी। दोपहर करीब दो बजे दूसरी शाखा से कर्मचारी आने के बाद लेनदेन शुरू हो सका।

युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी शक्ति : सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों से आए छात्र–छात्राओं एवं युवाओं का देवभूमि उत्तराखण्ड की ओर से स्वागत किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए टीम को बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर देशभर के सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं तथा महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित युवा ऊर्जा के बीच उन्हें भारत का उज्ज्वल भविष्य दिखाई दे रहा है। युवा केवल विद्यार्थी नहीं, बल्कि देश की उस युवा शक्ति के प्रतिनिधि हैं, जिनमें बड़े से बड़े सपनों को साकार करने का साहस और सामर्थ्य है।

उन्होंने कहा कि केवल एक सामान्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और देश की एकता–अखंडता का प्रतीक है। पूर्वोत्तर और उत्तराखण्ड के रहन–सहन, पहाड़ी परिवेश तथा भौगोलिक परिस्थितियों में कई समानताएं हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से दोनों क्षेत्रों के बीच आत्मीयता और मजबूत होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत देश के अन्य हिस्सों के बीच भावनात्मक एकता का सेतु बन गया है।पूर्वोत्तर के युवाओं को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ने का कार्य राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत कर रहा है। यही भावना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ह्लएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्व के संकल्प को जन–जन तक पहुंचाने का माध्यम बन रही है।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारतीय संस्कृति के उस चमकते हुए मुकुट के समान है, जिसके बिना भारत की विविधता और सुंदरता अधूरी है। यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और देश की सुरक्षा में सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाता है। पूर्वोत्तर ने मैरी कॉम, मीराबाई चानू, लवलीना बोरगोहेन, बाइचुंग भूटिया और भारत रत्न स्व. भूपेन हजारिका जैसी अनेक महान प्रतिभाएं देश को दी हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से भारत का नाम रोशन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को कभी देश से दूर नहीं माना, बल्कि उसे दिल के करीब रखा और देश के विकास का महत्वपूर्ण ग्रोथ इंजन माना। दशकों पुरानी लुक ईस्ट नीति को आगे बढ़ाते हुए एक्ट ईस्ट और फास्ट ईस्ट की दिशा में प्रभावी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद पूर्वोत्तर में सड़क, पुल, सुरंग, जलमार्ग, गैस ग्रिड, मोबाइल कनेक्टिविटी और ऑप्टिकल फाइबर सहित अनेक क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ है। भारत–म्यांमार–थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग जैसी परियोजनाओं से पूर्वोत्तर में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों के नए द्वार खुले हैं। आज पूर्वोत्तर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विकास प्रयासों के केंद्र में पूर्वोत्तर का युवा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी शक्ति माना है। इसी सोच के साथ डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और फिट इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल और खेल के क्षेत्र में पूर्वोत्तर में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाएं धरातल पर उतरी हैं, नए विद्यालय और मेडिकल कॉलेज स्थापित हुए हैं तथा उच्च शिक्षा और कौशल विकास के नए संस्थान विकसित किए गए हैं। इससे पूर्वोत्तर के युवाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर मिल रहे हैं।मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 में उत्तराखण्ड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें देशभर के 10 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। उत्तराखण्ड से राष्ट्रीय खेलों की मशाल पूर्वोत्तर भेजी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पूर्वोत्तर में होने वाले राष्ट्रीय खेल भी खिलाड़ियों और युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आएंगे तथा देशभर के खिलाड़ियों को उत्तराखण्ड की तरह ही बेहतर अनुभव प्राप्त होगा।

लखवाड़ में आकार ले रहा नया बांध

विकासनगर। उत्तराखंड के देहरादून जनपद के लखवाड़ क्षेत्र में यमुना नदी पर प्रस्तावित लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौके से सामने आई तस्वीरों में पहाड़ों की कटिंग, निर्माणाधीन संरचनाओं, भारी मशीनरी और नदी के किनारे चल रहे निर्माण कार्य की स्थिति साफ दिखाई दे रही है। परियोजना का निर्माण उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड की देखरेख में किया जा रहा है और इसके सिविल कार्यों के लिए एलएंडटी को जिम्मेदारी दी गई है। जुलाई 2026 में उत्तराखंड के मुख्य सचिव ने परियोजना स्थल का निरीक्षण कर निर्माण कार्य में तेजी लाने और परियोजना को 2031 तक पूरा करने के निर्देश दिए थे।

204 मीटर ऊंचा होगा बांध

लखवाड़ परियोजना में यमुना नदी पर करीब 204 मीटर ऊंचा कंक्रीट ग्रेविटी डैम बनाया जा रहा है। परियोजना की स्थापित विद्युत क्षमता 300 मेगावाट (3100 मेगावाट) होगी। इसके भूमिगत पावर हाउस में तीन इकाइयां स्थापित की जाएंगी। परियोजना से सालाना लगभग 572.54 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का लक्ष्य है।

सिर्फ बिजली ही नहीं, सिंचाई और पेयजल भी

लखवाड़ को बहुउद्देशीय परियोजना के रूप में विकसित किया जा रहा है। परियोजना के जलाशय की कुल भंडारण क्षमता लगभग 587.84 मिलियन क्यूबिक मीटर और लाइव स्टोरेज 330.40 मिलियन क्यूबिक मीटर बताया गया है। इससे करीब 33,780 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने तथा घरेलू, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए 78.83 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध कराने की योजना है।

इस परियोजना से उत्तराखंड के साथ–साथ हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश को भी जल लाभ मिलने की योजना है। साथ ही यमुना नदी में बाढ़ नियंत्रण और नदी के पुनर्जीवन में भी परियोजना की भूमिका बताई गई है।

मां गई छोड़कर, जिंदगी की जंग हार गया नवजात

ऋषिकेश। मां की ममता नहीं मिली, चौथे दिन नवजात ने दम तोड़ा। उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश में प्रसव के बाद एक महिला के अचानक अस्पताल से चले जाने का मामला सामने आया है। महिला के जाने के चौथे दिन बाद शनिवार को नवजात की मौत हो गई। मामले में सामने आया कि प्रसव के अगले ही दिन महिला बिना अस्पताल प्रशासन को बताए वार्ड से निकल गई थी। मां के बिना अस्पताल में भर्ती नवजात ने चौथे दिन दम तोड़ दिया। मासूम की मौत के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई लेकिन महिला की पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज अस्पताल में उपलब्ध नहीं मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, बीते 1 सितंबर को प्रसव पीड़ा से परेशान एक महिला किसी व्यक्ति के साथ उप जिला चिकित्सालय पहुंची थी। अस्पताल में महिला की सामान्य डिलीवरी हुई और उसने लड़के को जन्म दिया। बताया जा रहा है कि 3 सितंबर को महिला अस्पताल प्रशासन को बिना बताए बच्चे को छोड़ वार्ड से चली गई। इसके बाद बच्चे के लगातार रोने की आवाज सुनकर वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों के तीमारदारों ने इसकी जानकारी अस्पताल के काउंटर पर दी। सूचना मिलने के बाद अस्पताल प्रशासन ने महिला की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

आवारा पशुओं पर डीएम सख्त, सड़कों पर गोवंश छोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

देहरादून। मा. उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में जिले में आवारा पशुओं के प्रभावी प्रबंधन को लेकर जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन सख्त हो गया है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर एबीसी–एआरवी कार्यक्रम, निराश्रित गोवंश और पालतू श्वानों के प्रबंधन की समीक्षा की। उन्होंने सभी नगर निकायों को आवारा श्वानों एवं पशुओं की संख्या का विस्तृत सर्वेक्षण कर प्रमाणिक डेटा तैयार करने और उसे पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर आवारा श्वानों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए बंध्याकरण, एंटी रेबीज टीकाकरण और अन्य आवश्यक सुविधाएं योजनाबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने एनीमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) एवं एंटी रेबीज वैक्सीनेशन (एआरवी) अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

पालतू श्वानों का अनिवार्य पंजीकरण

डीएम ने पालतू कुत्तों का अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराने पर जोर दिया। साथ ही डोईवाला, विकासनगर और ऋषिकेश में श्वानों के बंध्याकरण एवं शल्य चिकित्सा के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए।

सड़कों पर गोवंश छोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

जिलाधिकारी ने नगर निकायों को सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए तत्काल कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि निराश्रित गोवंश को तत्काल कांजीहाउस पहुंचाया जाए और उनकी समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। वहीं सड़कों पर गोवंश को लावारिस छोड़ने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

55,487 स्ट्रीट डॉग का हो चुका बंध्याकरण

बैठक में सीनियर वेटरनरी ऑफिसर डॉ. वरुण अग्रवाल ने बताया कि देहरादून नगर निगम क्षेत्र में अब तक 55,487 स्ट्रीट डॉग का बंध्याकरण किया जा चुका है। वर्तमान में 72 डॉग केनल बनाए गए हैं, जबकि 144 केनल का निर्माण प्रगति पर है। निर्माण पूरा होने के बाद करीब 300 श्वानों को रखने की क्षमता उपलब्ध हो जाएगी।

नगर निगम क्षेत्र में निराश्रित श्वानों के लिए 25 डॉग फीडिंग स्पॉट बनाए गए हैं। वहीं पालतू श्वानों के लिए अब तक 1,117 लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं।

दो कांजीहाउस में 883 गोवंश संरक्षित

निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए केदारपुरम स्थित कांजीहाउस में वर्तमान में 347 गोवंशीय पशुओं की देखभाल की जा रही है। वहीं सेलाकुई के शंकरपुर स्थित कांजीहाउस में 536 पशु रखे गए हैं। इस तरह दोनों स्थानों पर कुल 883 निराश्रित गोवंश संरक्षित हैं।

निराश्रित पशुओं को पकड़ने के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) के साथ चार पशुवाहन भी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा नगर निगम देहरादून क्षेत्र में मार्च 2026 से अब तक 109 बंदरों को पकड़कर सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ा गया है।

सरकारी जमीन पर गरजा पीला पंजा

विकासनगर/सहसपुर। सहसपुर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर किए गए कथित अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। कार्रवाई की शुरुआत खुशहालपुर क्षेत्र से हुई, जहां चिन्हित अवैध निर्माणों को बुलडोजर की मदद से हटाने की कार्रवाई की गई।

मौके पर तहसील प्रशासन की टीम के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन के अनुसार, क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक अवैध अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। इनमें सरकारी भूमि पर बने मकान और अन्य निर्माण शामिल बताए जा रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकारी जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराना है।

कार्रवाई के दौरान कुछ ऐसे कब्जाधारकों के नाम भी सामने आए हैं, जिनके खिलाफ पूर्व में आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। इनमें गोकशी और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामले भी बताए जा रहे हैं। हालांकि, किसी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना अपने आप में अपराध सिद्ध होने के बराबर नहीं है।प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के आधार पर की जा रही है। खुशहालपुर के बाद जस्सोवाला–लम्बरपुर क्षेत्र में भी चिन्हित अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की जानकारी सामने आई है।

प्रशासनिक टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में सरकारी भूमि पर किए गए कब्जों को हटाने का अभियान आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानों पर हल्के विरोध की स्थिति भी बनी, लेकिन प्रशासनिक टीम ने अभियान जारी रखा।

डीजल और पुर्जों का करोड़ों का उधार, वेतन का इंतजार

देहरादून। परिवहन निगम की आर्थिक स्थिति खराब है। हालत यह है कि डीजल, स्पेयर पाट्र्स का करोड़ों का उधार हो चुका है। मई से अनुबंधित बस संचालकों को भुगतान नहीं हुआ है। परिवहन निगम कर्मी भी दो महीने से वेतन का इंतजार कर रहे हैं। एक सिंतबर तक परिवहन निगम की सभी देनदारियां 150 करोड़ से अधिक की हो चुकी हैं।

परिवहन निगम की मानसून में यात्रियों की संख्या कम होने के कारण आय कम हुई है। परिवहन निगम की डीजल की देनदारी आठ करोड़ तीस लाख हो चुकी है। सैकड़ों बसें प्रतिदिन संचालित होती हैं, इनमें टूट–फूट होती या कोई पुर्जा खराब होता है तो मरम्मत लिए स्पेयर पाट्र्स लिए जाते हैं। अब स्पेयर पाट्र्स की भी साढ़े सात करोड़ की देनदारी है। परिवहन निगम अनुबंधित बसों का संचालन करा रहा है पर इनके संचालकों को भी मई–2026 से भुगतान नहीं किया गया है। अनुबंधित बस संचालकों को 22 करोड़ दिया जाना है। इसके अलावा सोसाइटी का अंशदान 25 करोड़ समेत अन्य देयकों का भुगतान किया जाना है।

बारिश में खतरनाक हुआ कोटद्वार-दुगड्डा हाईवे, बोल्डर गिरने से टला बड़ा हादसा

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य हाईवे पर आया मलबा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश के साथ खतरे भी बढ़ गए हैं। शनिवार को दोपहर बाद हुई लगातार वर्षा के बीच हाईवे पर कई स्थानों पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात प्रभावित रहा। आमसौड़ के समीप अचानक भारी बोल्डर सड़क पर आ गिरे। संयोग से उस वक्त कोई वाहन वहां से नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बोल्डर गिरने के बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

राष्ट्रीय राजमार्ग के कोटद्वार-दुगड्डा हिस्से में 20 से अधिक संवेदनशील डेंजर जोन चिह्नित हैं। इनमें एक दर्जन से अधिक स्थान ऐसे हैं, जहां बारिश के दौरान पहाड़ी से पत्थर और बोल्डर गिरने की घटनाएं होती रहती हैं। शनिवार को दोपहर करीब 12 बजे के बाद वर्षा तेज होने के साथ ही इन स्थानों पर खतरा और बढ़ गया। लालपुल से आमसौड़ के बीच कई जगह पहाड़ी से पत्थर गिरते रहे। पांचवें मील के समीप बरसाती रपटे में भी बारिश के दौरान पानी का बहाव तेज हो गया। पानी का वेग कम होने तक दोपहिया वाहन चालकों को रपटे के पास रुकना पड़ा। दोपहर करीब दो बजे आमसौड़ से पहले दो पुलिया के समीप पहाड़ी से अचानक बड़े-बड़े बोल्डर हाईवे पर आ गिरे। बोल्डर सड़क पर गिरने के बाद यातायात रोकना पड़ा। सूचना मिलते ही जेसीबी मौके पर पहुंची और बोल्डरों को हटाने का काम शुरू किया गया। इस दौरान हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम में फंसे यात्रियों के सामने एक ओर सड़क खुलने का इंतजार था तो दूसरी ओर पहाड़ी से दोबारा बोल्डर गिरने का डर। बारिश के बीच लोग लगातार पहाड़ी की तरफ देखते रहे।

हर बारिश में बढ़ जाती है चुनौती

कोटद्वार-दुगड्डा हाईवे का पहाड़ी हिस्सा बरसात में लगातार चुनौती बना रहता है। मलबा, बोल्डर और सड़क पर जमा मिट्टी के कारण वाहन चालकों को हर कदम संभलकर रखना पड़ता है। ऐसे में संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी और समय रहते मलबा हटाना जरूरी है, ताकि किसी बड़े हादसे की आशंका को टाला जा सके।

शिक्षक होना मानवता की सबसे बड़ी सेवा : प्रदीप रावत

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते प्रदीप रावत

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : शिक्षक दिवस पर राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम में महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को याद किया गया। इस दौरान शिक्षकों एवं उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शिक्षाविद् एवं पूर्व मुख्य शिक्षा अधिकारी देहरादून प्रदीप रावत ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन असाधारण प्रतिभा संपन्न महापुरुष थे। स्वामी विवेकानंद के बाद उन्होंने ही पाश्चात्य जगत को भारतीय दर्शन से व्यापक रूप से परिचित कराया। इस दृष्टि से उनकी पुस्तकें 'इंडियन फिलॉसफी' और 'द हिंदू व्यू ऑफ लाइफ' अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक होना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। सभी शिक्षकों को मिशनरी भाव से ज्ञान का उजियारा चारों ओर फैलाने के अपने पुनीत कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा और शिक्षकों के सामने अनेक चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों का प्रतिबद्धता के साथ सामना करते हुए ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करना होगा, जहां शिक्षा संस्कार और जिम्मेदारी का माध्यम बनें। प्रधानाचार्य मुकेश रावत ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन को जो भी दायित्व सौंपे गए, उन्होंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ उनका निर्वहन किया तथा समाज और राष्ट्र जीवन में आदर्श स्थापित किया। उनके जन्मदिवस पांच सितंबर को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर राजकीय शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री मनमोहन सिंह चौहान, मनमोहन सिंह रौतेला एवं डॉ. पदमेश बुडाकोटी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पदमेश बुडाकोटी ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कोटद्वार से शुरू हुई देवभूमि खेल चेतना यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : युवाओं और खिलाड़ियों को खेलों के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से द्वितीय देवभूमि खेल चेतना यात्रा का कोटद्वार से आगाज हुआ। खेल विभाग, युवा कल्याण विभाग और पर्यटन विभाग के सहयोग से खेल जगत फाउंडेशन की ओर से आयोजित यात्रा को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण और स्टेडियम प्रभारी श्याम सिंह डांगी ने गुब्बारे उड़ाकर एवं हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

बारिश के बीच भी यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में खिलाड़ियों का उत्साह कम नहीं हुआ। बड़ी संख्या में खिलाड़ी राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंचे। इस दौरान खेल जगत फाउंडेशन की ओर से खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया स्टेडियम से शुरू हुई यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी और वापस स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के माध्यम से युवाओं को खेलों से जुड़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, संस्कृति एवं पर्यटन को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के हितों से जुड़े संदेश भी लोगों तक पहुंचाए जा रहे हैं। आयोजकों ने कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं हैं।

बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देवभूमि खेल चेतना यात्रा का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना है। इस अवसर पर शरद गुप्ता, पारस भारद्वाज, यश गुप्ता, स्टेडियम के कोच विक्रम सिंह नेगी, मान सिंह थापा, तेजेंद्र सिंह रावत, महेंद्र सिंह रावत, राहुल यादव, शिवा चौधरी, हेमंत राठी, अमित कुमार, श्रवण सिंह, आशीष भट्ट, गब्बर सिंह और सूरज सिंह नेगी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर क्षेत्र में हर दिन जूझ रहे लोग जाम से

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र के उजेली–लक्षेश्वर, ज्ञानसू व जनपद मुख्यालय में गंगोत्री हाईवे पर दिन में चल रहे लोडर वाहन व ट्रकों के कारण जाम की स्थिति बन रही है। दूसरी ओर इन क्षेत्रों सड़क पर खड़ी स्कूली बसों व वाहनों के कारण भी दोपहर में सबसे अधिक लगने वाले जाम के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन क्षेत्रों में संकरी सड़क और पार्किंग को लेकर पुलिस व प्रशासन की ओर से किसी ठोस यातायात प्लान पर कार्य नहीं किया जा रहा है।

ज्ञानसू से बस अड्डे, भटवाड़ी रोड, उजेली, लक्षेश्वर आदि क्षेत्र में हर दिनों को जाम के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन स्थानों पर सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण सबसे अधिक जाम की स्थिति बन रही है। लक्षेश्वर और ज्ञानसू आदि क्षेत्रों में सड़क पर खड़ी स्कूली बसों व वाहनों के कारण भी जाम की स्थिति बन रही है। विद्यालयों की ओर से इन बसों के लिए पार्किंग की सुविधा न होने के कारण चालक सड़क पर खड़ा कर रहे हैं। वाहनों की बढ़ती संख्या के साथ जाम हर दिन की समस्या बन गया है लेकिन पुलिस और प्रशासन की ओर से अभी तक इन संकरी सड़कों व पार्किंग को लेकर किसी प्रकार की ठोस योजना तैयार नहीं की गई है।

शिक्षक ही जीवन को सही दिशा दिखाते हैं : अनिल बलूनी

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्थान समिति की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि समाज के बेहतर निर्माण में दिया जा रहा शिक्षकों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। शिक्षक देव को बेहतर दिशा व राह दिखाने का कार्य करते हैं। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया।

शनिवार को वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्थान समिति की ओर से प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी, कोटद्वार महापौर शैलेंद्र रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, प्रदेश मंत्री सतीश लखेड़ा एवं समिति अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह बिष्ट ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान होता है। शिक्षक अपने ज्ञान और संस्कारों से विद्यार्थियों को जीवन की सही दिशा प्रदान करते हैं। समिति अध्यक्ष शैलेंद्र बिष्ट ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र और भविष्य के सचेतक हैं। शिक्षकों के सम्मान के बिना

आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित करते सांसद अनिल बलूनी व अन्य

आदर्श समाज की परिकल्पना अधूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षक न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कहा कि उनकी ओर से प्रति वर्ष शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है। विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी ने कहा कि वह स्वयं भी शिक्षिका रह चुकी हैं और शिक्षक की जिम्मेदारी को भली-भांति समझती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों को देश, समाज और जीवन के प्रति जागरूक करने के साथ ही उनमें जिम्मेदारी और राष्ट्रभाव की भावना विकसित करता है। समारोह में नगर के विभिन्न विद्यालयों ने सहभागिता की। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोच सुनील रावत ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन राकेश मोहन ध्यानी ने किया। आयोजन में सुनील रावत, सुरेश शर्मा, कमल नेगी, ऋतु चमोली, पंकज भाटिया, हेमंत गौड़, गौरव मिश्रा, अनीता आर्य, अनुराग कोटनाला, हरि सिंह पुंडीर, विजय सिंह रावत सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य, शिक्षक एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इन्हें मिला वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली शिक्षक सम्मान

प्रो./डॉ. डी.एस. नेगी प्राचार्य डॉ. पी.ब.पी. जी. कॉलेज को प्रबन्धन / प्रशासन के क्षेत्र में, डॉ. त्रिलोक सोनी प्रवक्ता भूगोल को पी.एम.श्री.राइंका ऋषिकेश को पर्यावरण सम्बर्द्धन के क्षेत्र में / वृक्ष मित्र, सत्यदर्शन सिंह रावत अर्न्तराष्ट्रीय फुटबॉल कोच राइका गुजराडा देहरादून, कमल किशोर उपरेती राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी जिला खेल समन्वयक बेसिक, पूनम पांथरी प्रवक्ता रसायन राइका कुम्भीचौड़ को विज्ञान प्रसार / सहजीकरण, सरोज रावत प्रवक्ता भौतिक आर्य कन्या इका कोटद्वार को योग/विज्ञान शिक्षा, कमल रावत प्राइवेट विद्यालय नोएडा, उत्तर प्रदेश को शिक्षा/अर्न्तराष्ट्रीय खेल प्रशिक्षक, सितान्शु खुगशाल प्रवक्ता जीव विज्ञान राइका कोटद्वार को राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा / वैज्ञानिक सोच प्रसार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

जिला योजना समिति निर्वाचन की तैयारियां तेज

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद चमोली में जिला योजना समिति के सदस्यों के निर्वाचन हेतु जिला पंचायत तथा नगर निकायों के निर्वाचित सदस्यों की मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट/रिटर्निंग ऑफिसर (जिला योजना समिति) गौरव कुमार ने निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया है।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 08 सितम्बर 2026, निरीक्षण एवं दावा-आपत्ति दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 सितम्बर, दावा-आपत्तियों का निस्तारण 12 सितम्बर तथा अंतिम रूप से तैयार निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 15 सितम्बर 2026 को किया जाएगा। दावा एवं आपत्तियां दाखिल करने एवं उनके निस्तारण का स्थान कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट, चमोली निर्धारित किया गया है।

शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में महाविद्यालय स्टाफ क्लब के तत्वाधान में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोडीएस नेगी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पणऔर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया उन्होंने शिक्षक को समाज का मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से एक शिक्षक विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करता है कार्यक्रम में प्रो सुरेश चंद्र नौटियाल प्रोफेसर प्रीति रानी प्रोफेसर इंदु तिवारी शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ दिवाकर बौद्ध प्रोफेसर वीसी शाह दो भगवत रावत ने भी शिक्षकों तथा छात्र–छात्राओं को संबोधित किया कार्यक्रम में कॉलेज स्टाफ क्लब के संयोजक डॉ संदीप कुमार, डॉ मीनाक्षी वर्मा, डॉ ऐश्वर्या राणा, डॉ विनोद कुमार, डॉ जितेंद्र सिंह, डॉ श्रद्धा सिंह, अरविन्द दुदपुड़ी, डॉ हीरा सिंह, सहित महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापक गण कर्मचारी गण तथा छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ संदीप कुमार ने किया।

शिक्षक दिवस पर सात शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

शिक्षिकाओं को सम्मानित करते क्लब के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब कोटद्वार के तत्वावधान में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कोटद्वार में शिक्षक दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाली सात शिक्षिकाओं को प्रशस्तिपत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या बबीता ध्यानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर तथा भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर रोटरी अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने छात्राओं को डॉ. राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि छात्राएं अपने शिक्षकों का सम्मान करते हुए ज्ञान, संस्कार एवं सेवा की भावना को जीवन का हिस्सा बनाएं। डॉ. राधाकृष्णन ने अपने ज्ञान, सरलता और व्यक्तित्व से समाज में विशेष स्थान बनाया था। प्रधानाचार्या बबीता ध्यानी ने गुरु-शिष्य परंपरा, शिक्षा के महत्व तथा शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डीपी सिंह, ऊषा अग्रवाल, सीमा रावत, मधु जोशी एवं नीलम नेगी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यालय की ओर से उपस्थित सभी सम्मानित शिक्षिकाओं एवं रोटरी क्लब के सदस्यों का स्वागत किया गया। समारोह में प्रधानाचार्या बबीता ध्यानी, पूर्व छात्रावास वार्डन सीमा रावत, प्रवक्ता विज्ञान मधु जोशी, प्रवक्ता चित्रकला नीलम नेगी, राजकीय डिग्री कॉलेज के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. केएस नेगी, जवाहर नवोदय विद्यालय की सेवानिवृत्त उप-प्रधानाचार्या वीना रावत तथा आदर्श विद्या मंदिर, नगीना की पूर्व अध्यापिका प्रतिभा गुप्ता को प्रशस्तिपत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव वीना रावत ने किया, जबकि कार्यक्रम संयोजक संजीव अग्रवाल रहे। समारोह में अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता, सचिव वीना रावत, उपाध्यक्ष विजय कुमार, डीपी सिंह, विजय कुमार माहेश्वरी, संयोजक संजीव अग्रवाल, डॉ. केएस नेगी, ऊषा अग्रवाल, ज्योति स्वरूप उपाध्याय, गोपाल बंसल, धीरजधर बछवाण, मनीष अग्रवाल सहित रोटरी क्लब के सदस्य एवं विद्यालय की शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

ईंधन निश्चित स्प से हानिकारक

अपने यहां चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही उदाहरण है कि ई–20 का चलन बढ़ने पर खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों की ओर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है।

वी. अनंत नागेश्वरन ने पेट्रोल में इथॉनोल की मिलावट पर चल रही बहस में साहसी हस्तक्षेप किया है। उन्होंने सरकार की ओर से पेश दलीलों से अलग विवेकपूर्ण राय सामने रखी है। उचित होगा कि केंद्र अपने मुख्य आर्थिक सलाहकार की बातों पर ध्यान दे और उनके परामर्श के मुताबिक आचरण करे। ई–20 ईंधन पर जारी विवाद में अब तक चर्चा इससे वाहनों को संभावित नुकसान पर केंद्रित रही है। जबकि नागेश्वरन ने इससे संबंधित एक अधिक दूरगामी महत्त्व के पहलू की चर्चा कर बहस को अधिक व्यापक आयाम दिया है। यह हमारे समाज में चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही परिणाम है कि ई–20 का चलन बढ़ने पर उससे खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों पर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है।

नागेश्वरन की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने इस मुद्दे पर भी रोशनी डाली है। आर्थिक मामलों के मंत्रालय में कंसल्टैंट आकाश पुजारी के साथ एक अखबार में लिखे लेख में नागेश्वरन ने ध्यान दिलाया कि इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना और अनाज– खासकर मक्के का उपयोग होता है। इसकी मांग बढ़ने पर किसान अधिक जमीन पर इन फसलों की खेती के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा एक लीटर इथेनॉल बनाने के लिए हजारों लीटर पानी की जरूरत पड़ती है।

जिस समय भू–जल के नीचे जाने की समस्या से कई राज्य जूझ रहे हैं, इथेनॉल का उपयोग बढ़ाने का मतलब जल संसाधनों पर दबाव बढ़ाना होगा। भारत अगर ई–27 या ई–30 जैसे उच्च मिश्रणों की ओर बढ़ा, तो यह दबाव और बढ़ेगा। वाहनों को नुकसान और माइलेज घटने संबंधी चिंताओं को भी नागेश्वरन ने सिरे से खारिज नहीं किया है। बल्कि कहा है कि ई–20 से रबर सील और कार्ब्यूरेटर वाले पुराने वाहनों में समस्या हो सकती है। तकरीबन आठ करोड़ पुराने दोपहिया वाहनों के लिए तो यह ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक है। इसलिए उन्होंने ई–10 को वापस लाने तथा जल एवं फसल संबंधी चिंताओं का ठोस आकलन करने की सलाह दी है। सरकार को अविलंब और बेहिचक इस दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

कहीं बाढ़ का प्रलय, कहीं बूंद-बूंद पानी को तरसती धरती

कांतिलाल मांडोत

प्रकृति का संतुलन बिगड़ा तो इंसान की सारी तैयारियां पड़ जाती हैं छोटी...

मानसून भारत के लिए केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, खेती और अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ प्राकृतिक चक्र है। यही बारिश कहीं जीवनदायिनी बनकर खेतों को हरा-भरा करती है तो कहीं उसका विकराल रूप बाढ़ बनकर बस्तियों, सड़कों और घरों को अपनी चपेट में ले लेता है। इस समय देश के कई हिस्सों में मौसम का यही विरोधाभासी चेहरा दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच रहा है। कछारी क्षेत्र में अनेक मकानों के डूबने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की जरूरत पड़ रही है। दूसरी ओर बिहार में कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन को राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज करनी पड़ी हैं। लेकिन देश के ही कुछ दूसरे हिस्से ऐसे हैं जहां पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें सूखने लगी हैं और किसान आसमान की ओर उम्मीद लगाए बैठे हैं।

यह स्थिति हमें प्रकृति की उस शक्ति का एहसास कराती है जिसके सामने मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियां भी सीमित दिखाई देती हैं। मनुष्य ने बांध बनाए, तटबंध खड़े किए, नदियों का रास्ता नियंत्रित करने की कोशिश की, मौसम की भविष्यवाणी करने वाली आधुनिक प्रणालियां विकसित कीं और आपदा प्रबंधन के लिए विशेष बल तैयार किए। इसके बावजूद जब नदियां अपने उफान पर आती हैं तो प्रकृति के सामने हमारी सारी व्यवस्थाओं की परीक्षा शुरू हो जाती है। यही कारण है कि बाढ़ को केवल एक प्राकृतिक घटना मानकर उससे निपटना पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे नदी क्षेत्र में बढ़ता अतिक्रमण, जल निकासी की कमजोर व्यवस्था, अनियोजित निर्माण, वनों की कमी और बदलता मौसम चक्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रयागराज की स्थिति इस समय विशेष चिंता का विषय है। गंगा और यमुना के जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास बसे निचले क्षेत्रों में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। कछारी इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए बाढ़ का पानी केवल घरों में घुसने की समस्या नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन को पूरी तरह प्रभावित करने वाला संकट है। घरों में पानी भरने के साथ बिजली, पेयजल, आवागमन और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें भी चुनौती बन जाती हैं। ऐसे समय में राहत शिविरों की व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी सहायता साबित होती है। प्रशासन द्वारा राहत शिविर सक्रिय करना और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना जरूरी कदम है। मगर इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि पानी बढ़ने से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

उत्तर प्रदेश के ही चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर यह संकेत देता है कि लगातार बारिश का असर छोटी नदियों और जलधाराओं पर भी तेजी से पड़ता है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने पर आसपास के गांवों और आबादी को सतर्क करना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी हो जाती है। घोषणा, निगरानी और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ऐसी परिस्थितियों में जान-माल के नुकसान को कम कर सकती है। प्रतापगढ़ में बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से मासूम की मौत जैसी घटनाएं बताती हैं कि आपदा का खतरा केवल बाढ़ तक सीमित नहीं है। लगातार बारिश कमजोर मकानों, पुरानी दीवारों और जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा करती है। इसलिए बरसात के मौसम में कमजोर निमार्णों की पहचान और लोगों को पहले से सावधान करना आवश्यक है।

बिहार में स्थिति और व्यापक है। गंगा, गंडक, बागमती, कोसी, बूढ़ी गंडक और पुनपुन जैसी नदियों का जलस्तर बढ़ना राज्य के लिए हर वर्ष बड़ी चुनौती बनता है। बिहार का विशाल भूभाग नदियों और उनकी सहायक धाराओं से प्रभावित होता है। नदियों का उफान केवल एक जिले की समस्या नहीं रहता, बल्कि कई जिलों के गांवों, खेतों और सड़कों पर इसका असर पड़ता है। यही वजह है कि प्रशासन को राहत और बचाव की तैयारियां पहले से रखनी पड़ती हैं। नावों की तैनाती, सामुदायिक रसोई, राशन और पॉलीथीन शीट की व्यवस्था तथा आपदा राहत दलों की मौजूदगी बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत का आधार बनती है।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ जैसी एजेंसियों की तैनाती ने आपदा प्रबंधन की क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत किया है। लेकिन किसी भी आपदा में सरकारी मशीनरी की सफलता केवल बचाव दलों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। स्थानीय लोगों की जागरूकता, प्रशासन के साथ उनका सहयोग और समय पर चेतावनी का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बाढ़ के दौरान नदी और तेज बहाव वाले पानी से दूरी बनाए रखना, अफवाहों पर विश्वास न करना और प्रशासन द्वारा बताए गए सुरक्षित स्थानों पर जाना जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जहां कुछ क्षेत्रों में बारिश आफत बन रही है, वहीं कई इलाकों में किसान बारिश की कमी से परेशान हैं। खेतों में नमी नहीं होने पर फसलों की वृद्धि रुक जाती है। बारिश पर निर्भर किसान के लिए यह स्थिति आर्थिक संकट का रूप ले सकती है। एक तरफ अत्यधिक बारिश खेतों को डुबो देती है और दूसरी तरफ कम बारिश फसलों को सुखा देती है। यही विरोधाभास बताता है कि आज आवश्यकता केवल अधिक बारिश की नहीं, बल्कि बारिश के संतुलित वितरण और जल प्रबंधन की है।

प्रकृति के साथ मनुष्य की सबसे बड़ी भूल शायद यही रही है कि उसने प्राकृतिक संसाधनों को अपने नियंत्रण में मान लिया। नदियों के किनारों पर अतिक्रमण, जलाशयों का सिकुड़ना, वर्षाजल के प्राकृतिक रास्तों का बंद होना और बिना पर्याप्त योजना के शहरी विस्तार ने बारिश के पानी को संकट में बदलने की स्थितियां पैदा की हैं। यदि शहरों में पानी के निकास के रास्ते बाधित होंगे तो सामान्य से अधिक बारिश भी जलभराव पैदा करेगी। इसी तरह यदि नदी के प्राकृतिक क्षेत्र में निर्माण बढ़ेगा तो बाढ़ का असर आबादी तक पहुंचने की आशंका बढ़ती जाएगी। इसलिए आज जरूरत आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी की है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा, वर्षाजल संचयन, तालाबों और पारंपरिक जलस्रोतों का संरक्षण, बाढ़ क्षेत्र का वैज्ञानिक निर्धारण और संवेदनशील बस्तियों की बेहतर योजना समय की मांग है। खेती के क्षेत्र में भी ऐसी फसलों और सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देना होगा जो बदलते मौसम के जोखिम को कम कर सकें।

आइआइटी संस्थानों में क्यों सुसाइड कर रहे हैं होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी व आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों की झड़ी लगी है।एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर के आईआईटी में पांच वर्षों में 70 होनहारों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जबकि जुलाई से शुरू नए सत्र में अब तक आईआईटी में तीन व आईआईएम में एक सुसाइड की वारदात सामने आ चुकी हैं। रिपोर्ट बताती है कि आईआईएससी बंगलूरू में भी 15 दिन में दो छात्रों ने खुदकशी की है।

आपको बता दें कि भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामले एक बेहद गंभीर और संवेदनशील चिंता का विषय बन चुके हैं। हाल ही में, 22 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के एमएससी भौतिकी के 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार ने परिसर की एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद संस्थान में छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।यह स्थिति केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शीर्ष इंजीनियरिंग परिसरों में मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव की गहरी समस्याओं को उजागर करती है।हालिया प्रमुख घटनाएं और आंकड़ेआईआईटी दिल्ली ऋषिकेश कुमार की मृत्यु के बाद, छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर फ्लैश मार्च निकाला और कक्षाओं का बहिष्कार किया। छात्रों का आरोप है कि ऋषिकेश मानसिक तनाव से गुजर रहे थे और उन्हें प्रशासन से आवश्यक सहयोग व हॉस्टल सुविधा नहीं मिली। पिछले 30 महीनों में इस संस्थान में यह आठवीं आत्महत्या है।वर्ष 2026 की शुरूआत (जनवरी) में पीएचडी स्कॉलर राम स्वरूप ईश्वरम ने आत्महत्या कर ली थी, जिससे पहले दो हफ्तों के भीतर ही परिसर में एक और छात्र जय सिंह मीना की मौत हुई थी। इस संस्थान ने भी पिछले दो वर्षों में कई ऐसी दुखद घटनाएं देखी हैं। अगस्त 2026 में आईआईटी खड़गपुर के भी एक छात्र की परिसर में ऊंचाई से गिरने से मौत हुई। रिपोर्टों के अनुसार, देश के शीर्ष 11 आईआईटी में पिछले 5 सालों में 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें आईआईटी मद्रास, हैदराबाद और दिल्ली सबसे आगे रहे हैं।

विभिन्न जांच समितियों, शिक्षाविदों और स्वयं छात्रों के अनुसार इन आत्महत्याओं के पीछे जो कारण रेखांकित किए गए हैं उनमें शैक्षणिक दबाव कड़ा पाठ्यक्रम, लगातार परीक्षाएं, ग्रेडिंग सिस्टम और असाइनमेंट का अत्यधिक बोझ छात्रों को मानसिक रूप से थका देता है।भविष्य और करियर की चिंता के चलते छात्र छात्राओं में अवसाद घर कर जाता है। प्लेसमेंट न होना, इंटर्नशिप के अवसरों से वंचित होना या रिसर्च प्रोजेक्ट्स में आने वाली अड़चनें छात्रों में भारी अनिश्चितता पैदा करती हैं।सामाजिक अलगाव एक बड़ा कारण है कई छात्र अपने परिवारों से दूर रहने, कड़ी प्रतिस्पर्धा और संवाद की कमी के कारण अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो जाते हैं।प्रशासनिक और सुपरवाइजर का व्यवहार भी इन घटनाओं के लिए लिए जिम्मेदार है विशेषकर पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों में यह देखा गया है कि गाइड या प्रशासन के कथित असंवेदनशील रवैये या अत्यधिक नियंत्रण के कारण छात्र खुद को असहाय महसूस करते हैं।जातिगत या लैंगिक भेदभाव से भी इस तरह की वारदातों की तादाद कम नहीं हो रही है। कुछ मामलों में वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों ने भेदभाव या पूर्वाग्रहों का सामना करने की बात भी उठाई है।

आपको बता दें कि आईआईटी दिल्ली में 30 महीनों में आठवें छात्र की आत्महत्या की खबर ने एक बार फिर देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों के अंदरूनी अस्वस्थता को सामने ला दिया है। यह महज एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि व्यवस्थागत विफलता का प्रतीक है। जब एक संस्थान, जिसे देश की उच्च मेधा को तराशने का केंद्र माना जाता है,वहां आए दिन युवा छात्रों द्वारा सुसाइड की वारदात बेहद संवेदनशील और असामान्य स्थिति का हवाला देती है। इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है कि ऐसा आत्मघाती माहौल शिक्षण संस्थानों में कैसे पनप रहा है? कई मामलों में अवसाद, परीक्षा में असफलता का डर और समय रहते काउंसलिंग नहीं मिलना प्रमुख कारण बताए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि घटना के बाद प्रशासन का रवैया अक्सर औपचारिक शोक संदेश तक सीमित रह जाता है। एक छात्र की मौत के बाद परिसर सामान्य हो जाता है, जैसे कुछ हुआ ही न हो। यही दोहराव छात्रों में गुस्सा और निराशा पैदा कर रहा है। हालिया घटना के बाद सैकड़ों छात्रों का प्रदर्शन, डीन और एसोसिएट डीन के इस्तीफे की मांग, स्वतंत्र जांच और परिवार को मुआवजे की मांग, ये सब इस गुस्से की अभिव्यक्ति हैं। प्रशासन का दावा है कि काउंसलिंग सेवाएं, २४ घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता और पाठ्यक्रम में लचीलापन उपलब्ध हैं। यदि ऐसा है तो हालात इतना खराब क्यों बने हैं कि आए दिन छात्र जान दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स भी इस मुद्दे पर काम कर रही है। लेकिन रिपोर्ट और कमेटियां तब तक अनुपयोगी हैं, जब तक उनकी सिफारिशें जमीनी स्तर पर लागू न किया जाए ।

सरकार को इस ओर तत्काल प्रभाव से गंभीरता से कारवाई करनी चाहिए। देश के होनहार छात्र इस तरह जान गंवाने के लिए नहीं है। हर मौत पूरे परिवार को तोड़ देती है वही समाज खासकर उच्च शिक्षण संस्थान की प्रतिष्ठा और गरिमा पर भी सवालिया निशान लगा रहीं हैं। हालांकि बताना जरूरी है कि सरकारी स्तर से संकट को देखते हुए छात्र संगठनों की मांगों के बाद कई कदम उठाए गए हैं। आईआईटी दिल्ली मामले की जांच के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक बाहरी समिति का गठन किया गया है, जिसमें एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख और छात्र प्रतिनिधि भी शामिल हैं।पाठ्यक्रम में लचीलापन लाया गया है। संस्थानों ने शैक्षणिक भार कम करने, पहले सेमेस्टर में क्रेडिट कम करने और वीकेंड परीक्षाओं को सीमित करने जैसे नीतिगत बदलाव शुरू किए हैं।मानसिक स्वास्थ्य सहायता परिसरों में 24/7 काउंसलिंग हेल्पलाइन, वेलनेस सेंटर और मेंटरशिप प्रोग्राम बढ़ाए जा रहे हैं ताकि समय रहते मानसिक संकट से जूझ रहे छात्रों की पहचान की जा सके।छात्रों और उनके परिजनों का भी कर्तव्य है कि वह अपने परिवार या परिचित छात्र छात्राओं के सम्पर्क में रहें कोई अवसाद या असामान्य बात का आभास मिलते ही संस्थान को अवगत कराएं ताकि समय पर काउंसलिंग कर छात्र को आत्मघाती होने से बचाया जा सके।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी!

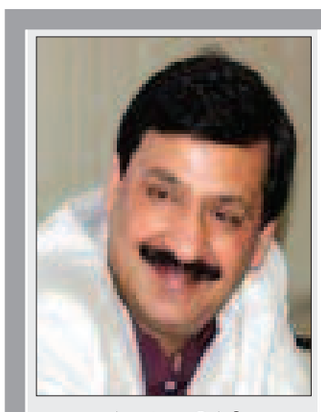

प्रो. संजय द्विवेदी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है।

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकाक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम।

बदलती कार्य संस्कृति

सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, काट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है।

कार्य और जीवन का संतुलन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्रायः 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिर्पोट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा ह्यआलवेज आनह्ल मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है।

सोशल मीडिया से बनती छवियां

सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए।

उद्यमिता और उसके जोखिम

नए समय ने युवाओं को उद्यमिता के गुर दिए हैं। यह पीढ़ी जोखिम उठाने और सफलताओं के नए शिखर छूने वाली पीढ़ी है। इसके मंत्र अलग हैं। वे जल्दी से सफलताओं के नए क्षितिज को छूना चाहते हैं। छू भी रहे हैं। कम आयु में उनकी सफलताएं विस्मित करने वाली हैं। उनके स्टार्टअप धूम मचा रहे हैं। सफलता की बड़ी कहानियां लिख रहे हैं। प्रेरित कर रहे हैं। इसके दूसरे पक्ष का विचार भी जरूरी है। हमें पता है कि 90 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप शुरूआती सालों में ही अन्यान्य कारणों से विफल हो जाते हैं। विफलता का डर, निवेशकों का दबाव, फंडिंग का संकट संस्थापकों और शुरूआती कर्मचारियों में मानसिक तनाव पैदा कर ही देता है।

इतने बड़े देश में हर साल लाखों युवा हाथ काम मांगने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनके पास डिग्रियां भी होती हैं। किंतु वे कौशल युक्त नहीं होते। वे डिग्रीधारी हैं किंतु किसी काम के नहीं हैं। बाजार की जरूरतें अलग हैं, उनके कौशल अलग हैं। ऐसे में बहुत योग्य लोगों को भी अपेक्षित नौकरी नहीं मिल पाती, अच्छे वेतन की तो जाने ही दीजिए। युवाओं के ज्यादातर संकट वास्तविक हैं। वे जानकारी से भरपूर हैं, उनके पास अवसरों का जनतंत्र है। आकांक्षाओं की बाढ़ है। वे सूचनाओं से लदे-फंदे हैं। यह ज्यादा सूचनाएं भी दुख और भ्रम का कारण बन रही हैं। आकांक्षाओं का बड़ा आकाश उतनी ही गहरी निराशा लेकर लाता है। यह साधारण नहीं है कि आईआईटी के विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवसान उनके परिवार,देश और समाज के लिए भी बड़ी क्षति है । परीक्षाओं में मिलती असफलताएं, लीक होते प्रश्नपत्र, परीक्षाओं की नष्ट होती शुचिता, सरकारी-प्रशासनिक तंत्र की कदाचार रोकने की विफलताओं ने युवाओं को गहरी चिंताएं दी हैं। शिक्षा के निजीकरण और उससे उपजे बाजारीकरण ने हालात बहुत बदल दिए हैं। महंगी शिक्षा के लिए परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। प्रतिभा पलायन का संकट तो है ही। समाज में यह बात बहुत गहरे पैठ रही है इस देश में प्रतिभाशाली युवाओं की जगह नहीं बची है। यह तथ्य नहीं किंतु गहराई से फैलती धारणा है। आप बिना जुगाड़ के इस व्यवस्था में सफल नहीं हो सकते। किसी राष्ट्र जीवन में ऐसी धारणाएं ठीक नहीं हैं। हमें समझना होगा कि राष्ट्र से हम सबकी सामूहिक आकांक्षाएं,साझे प्रयासों से ही फलीभूत होंगी। भारत की आजादी के आठ दशक अभूतपूर्व प्रगति, एकत्व और जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण हैं। हर राष्ट्र जीवन में चुनौतियां होती हैं, उससे जूझकर हम अपने संकटों का हल खोजते हैं। देश की युवा पीढ़ी भी अपने संकटों के बीच इस राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के ठोस और वाजिब हल जरुर तलाशेगी। युवा शक्ति की तेजस्विता, नवाचारों और आत्मविश्वास को देखकर यह विश्वास सहज ही होता है।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला, बीएलए का दावा- 25 जवानों को किया ढेर

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में गुरुवार को पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। बीएलए ने दावा किया है उन्होंने इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 25 जवानों को ढेर किया और सेना की दो गाड़ियों में आग लगा दी। द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, बीएलए के प्रवक्ता ने बताया कि उनके लड़ाकों ने जियारत क्रॉस पर सेना के एक काफिले को निशाना बनाया। उन्होंने गाड़ियों पर हमला किया और उनमें से दो को नष्ट कर दिया, जिनमें सेना का एक ट्रक भी शामिल था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने शुरुआत में दावा किया था कि हमले में पाकिस्तानी सेना के 18 जवान मारे गए हैं, लेकिन बाद में मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई। बीएलए ने अपने आधिकारिक मीडिया चैनल हक्कल पर इस हमले का 1 मिनट 11 सेकंड का वीडियो ट्रेलर भी जारी किया। संगठन का कहना है कि इसमें जियारत क्रॉस पर हुए हमले के फुटेज दिखाए गए हैं। बीएलए के जारी किए फुटेज में हथियारबंद लड़ाके जलती हुई पाकिस्तानी सैन्य गाड़ियों के पास दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में हादसे की जगह पर शव दिखाए गए हैं। इसके साथ ही जब्त किए गए हथियार भी दिख रहे हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ये ट्रेलर जारी करते हुए लिखा कि अभी पूरा वीडियो आना बाकी है, जो कि बाद में जारी किया जाएगा। बीएलए के बयान के अनुसार, एक अलग घटनाक्रम में, सुराब के हाजिका इलाके में समूह के स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशन्स स्क्वाड ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को रिमोट से उड़ा दिया। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में सेना की एक गाड़ी नष्ट हो गई और सात जवान मारे गए।

अटलांटिक महासागर में प्रवासियों की नाव फंसी, 5 की मौत; 44 को बचाया गया

बार्सिलोना, एजेंसी। अटलांटिक महासागर में पश्चिमी अफ्रीकी देशों के प्रवासियों को ले जा रही एक नौका के मुश्किल में फंसने के बाद कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोगों के भी मारे जाने की आशंका है। इस हादसे के बाद 44 लोगों को सुरक्षित बचाकर कैनरी द्वीप लाया गया है। स्पेन की समुद्री बचाव सेवा ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसके एक विमान ने बुधवार अपराह्न ग्रैन कैनरिया द्वीप के दक्षिण में लगभग 120 किलोमीटर (74 मील) दूर बहती हुई एक खतरनाक हालत वाली नौका देखी। बचे हुए तीन लोगों को तुरंत हेलीकॉप्टर से द्वीप पर स्थित अस्पताल ले जाया गया। बाकी 41 प्रवासियों को नौका से सुरक्षित बाहर निकाला गया और बृहस्पतिवार तड़के आर्गिनगुइन बंदरगाह पर उतारा गया, जहां रेड क्रॉस ने उनकी देखभाल की। कैनरीज में रेड क्रॉस के प्रवक्ता होजे एंटोनियो रोड्रिगेज वेरोना ने बताया कि बचे हुए सभी लोग पुरुष थे, जिनमें से कुछ नाबालिग थे और वे माली या सेनेगल से आए थे।

भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबराहट

इस्लामाबाद , एजेंसी। भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबराहट का माहौल है। इस्लामाबाद ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया है। बता दें कि भारत ने 21 सितंबर से 7 अक्टूबर तक के लिए राजस्थान क्षेत्र के पाकिस्तान बॉर्डर पर एयरस्पेस रिजर्व करने के लिए नोटिस टू एयर मिशन्स जारी किया है। जहां सेना का अभ्यास होगा। वहीं इस बीच भारत के नोटैमजारी करते ही इस्लामाबाद में सुरक्षा की तत्काल समीक्षा की जा रही है। इस बीच पाकिस्तान ने सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है और किसी भी संभावित खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने की चेतावनी दी है। जानकारी के मुताबिक, इसके बाद यह आकलन पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के ऑफिस को सौंपा गया। भारतीय वायु सेना द्वारा तय एयरस्पेस एक्टिविटी की तैयारी के बीच पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने भी भारत–पाकिस्तान सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। भारत का नोटैमदो हफ़्ते से ज़्यादा समय के लिए है और इसने पाकिस्तान के सिक्योरिटी सिस्टम को प्लानड एक्टिविटी की बारीकी से जांच करने के लिए प्रेरित किया है। , सुरक्षा से जुड़े एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा अधिकारी इस नोटिफिकेशन को फौरन आकलन की ज़रूरत वाले मामले के तौर पर देख रहे हैं। नतीजतन, सीमा पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

स्टाइनम ने गांधी से प्रेरणा ले अमेरिका में छेड़ा था आंदोलन; भारत में पदयात्रा से बदली थी सोच

कैथरीन क्यू सीली, एजेंसी। पूरी दुनिया में चर्चित नारीवादी कार्यकर्ता ग्लोरिया स्टाइनम का बुधवार को 92 साल की उम्र में निधन हो गया। कम ही लोगों को पता होगा कि अमेरिका में महिला मुक्ति आंदोलन का प्रमुख चेहरा रही ग्लोरिया को इसकी प्रेरणा महात्मा गांधी से मिली थीं। वह 1957 में भारत आई थीं और गांधी के अनुयायियों के साथ दक्षिण भारत में पदयात्राओं का हिस्सा रही थीं।

स्टाइनम उस समय कॉलेज के आखिरी वर्ष में थीं और अपने प्रेमी के साथ शादी करने की योजना बना रही थीं। बाद में उन्हें लगा कि वह शायद इसलिए शादी के बंधन में बंध रही हैं और बच्चा पैदा करना चाहती हैं क्योंकि समाज महिलाओं से यही अपेक्षा करता है। उन्हें विवाह एक शुरुआत नहीं, आजादी के अंत जैसा लगा। बस फिर क्या था, उन्होंने सगाई की अंगूठी अपने मंगेतर के तकिये के नीचे रख दी और भारत के सफर पर रवाना हो गईं।

पदयात्रा कर जमीनी हकीकत जानी : वह स्वतंत्रता के केवल एक दशक बाद महात्मा गांधी की विरासत से आकर्षित होकर भारत की ओर खिंची चली आई थीं। उन्होंने अध्ययन के लिए चेस्टर बोउल्स एशियाई फेलोशिप जीती थी लेकिन जल्द ही अपनी कक्षाएं छोड़ दीं। एक साड़ी पहनकर और केवल एक तौलिया, एक कप और एक कंघी लेकर गांधीजी के अनुयायियों के साथ

दक्षिणी भारत में पदयात्रा पर निकल पड़ीं। यहीं, उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन के बारे में सबक सीखे और आगे चलकर अमेरिका में महिला मुक्ति आंदोलन शुरू किया।

प्लेबॉय क्लब में काम कर महिलाओं की दुर्दशा जानी : अमेरिका लौटने के बाद ग्लोरिया ने मैसाचुसेट्स में एक एनजीओ के लिए काम किया। बतौर पत्रकार भी सक्रिय रहीं। वर्ष 1963 में न्यूयॉर्क के प्लेबॉय क्लब में एक अंडरकवर वेट्रेस के रूप में काम किया ताकि महिलाओं की स्थिति को करीब से जान सकें।

रिपोर्ट ने मचा दिया तहलका... : उन्होंने करीब दो हफ्ते तक क्लब में यह काम शो पत्रिका के लिए किया। इसके बाद उनकी जो रिपोर्ट छपी उसने पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया। उस दौर में जब महिलाओं को गंभीर पत्रकार या पेशेवर नहीं बल्कि केवल खूबसूरत शो-पीस माना जाता था, ग्लोरिया ने उस कड़वी सच्चाई को दुनिया के सामने रखा, जिसे समाज हमेशा दबाए रहता था।

अंतिम समय तक रहीं सक्रिय : 25 मार्च 1934 को टोलेडो, ओहायो में जन्म। 10 वर्ष की आयु में माता-पिता के तलाक के बाद मानसिक रूप से अस्वस्थ मां की देखभाल की जिम्मेदारी संभाली। 1968 में न्यूयॉर्क पत्रिका की सह-संस्थापक बनीं और मासिक राजनीतिक कॉलम द सिटी पॉलिटिक शुरू कर बेबाक राय रखनी शुरू की। 1972 में पूरी तरह महिलाओं के स्वामित्व वाली और संचालित पहली राष्ट्रीय पत्रिका मिस की सह-स्थापना की, जिसने गर्भपात, घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। 90 वर्ष की उम्र तक निबंध लिखने, व्याख्यान देने में सक्रिय रही और महिलाओं के मुद्दे उठाती रहीं।

अमेरिका में ग्रीन कार्ड की उम्मीदों को झटका, खाड़ी संकट ने भी बढ़ाई चिंता

वाशिंगटन/दुबई, एजेंसी। अमेरिका में ग्रीन कार्ड के इच्छुक भारतीयों की दिक्कतें और बढ़ सकती हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी कि भारतीय नागरिकों के लिए रोजगार आधारित प्रथम प्राथमिकता (ईबी-1) ग्रीन कार्ड आने वाले हफ्तों में अस्थायी रूप से अनुपलब्ध हो सकते हैं। विभाग के सितंबर वीजा बुलेटिन के अनुसार, भारी मांग के चलते अमेरिकी वित्त वर्ष के 30 सितंबर को समाप्त होने से पहले भारत का तय कोटा खत्म हो सकता है। हालांकि विभाग ने कहा है कि वह वीजा उपलब्धता की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। जरूरत पड़ने पर वीजा संख्या और तारीखों में उचित बदलाव किए जाएंगे। ईबी-1 श्रेणी असाधारण प्रतिभा वाले पेशेवरों, प्रसिद्ध शोधकर्ताओं, प्रोफेसरों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अधिकारियों के लिए होती है। अत्यधिक मांग के चलते सितंबर के लिए ईबी-1 भारत की अंतिम कार्रवाई तिथि 15 अक्तूबर, 2022 तय की गई है। इसका मतलब है कि सामान्य तौर पर उन्हीं भारतीय आवेदकों के मामलों में अंतिम कार्रवाई हो सकती है जिनकी प्राथमिकता तारीख 15 अक्तूबर 2022 से पहले की है। खाड़ी क्षेत्र में एक बार फिर पूर्ण युद्ध जैसे हालात हैं। एक माह शांति के बाद अमेरिका-ईरान संघर्ष का ताजा, खतरनाक दौर भारतीयों के लिए संकट लाया है। इसके सीधे असर से यूएई, बहरीन, कुवैत, कतर व सऊदी के करीब 90 लाख भारतीय प्रवासी चिंता में हैं। अमेरिका ने पश्चिम एशियाई देशों के लिए दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी की चेतावनी जारी की है। यूरोपीय विमानन सुरक्षा एजेंसी ने भी फारस व ओमान की खाड़ी के लिए चेतावनी 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। ये सारे डेवलपमेंट बेहद गंभीर हैं।

डिलीवरी के ऑपरेशन में नहीं मिला बच्चा, सच्चाई जानकर सब रह गए हैरान

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के एक अस्पताल में गर्भावस्था से जुड़ा हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 9 महीने की गर्भवती महिला की डिलीवरी के लिए ऑपरेशन किया गया, लेकिन सर्जरी के दौरान उसके पेट में बच्चा ही नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में महिला की करीब 38 हफ्ते की प्रेग्नेंसी बताई गई थी। मामला सामने आने के बाद परिवार ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, इस घटना ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर डिलीवरी के ऑपरेशन से पहले डॉक्टर किन जांचों और क्लिनिकल चेकअप के जरिए यह पुष्टि करते हैं कि महिला वास्तव में गर्भवती है और गर्भ में बच्चा सुरक्षित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने अपनी प्रेग्नेंसी की फर्जी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट तैयार करवाई थी। जांच में यह भी पता चला कि महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी। बताया गया कि परिवार की ओर से उस पर बच्चा कंसीव करने का दबाव था, जिसके चलते उसने कथित तौर पर यह फर्जी रिपोर्ट बनवाई।

डिलीवरी से पहले कौन-कौन सी जांच जरूरी : गुरुग्राम स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डायरेक्टर डॉ. नूपुर गुप्ता के मुताबिक, जब कोई महिला डिलीवरी के लिए अस्पताल पहुंचती है तो डॉक्टर सबसे पहले उसकी पिछली मेडिकल रिपोर्ट और

अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखते हैं। डॉक्टर यह पता करते हैं कि गर्भावस्था कितने सप्ताह की है, गर्भ में बच्चे की स्थिति क्या है और बच्चे की हार्टबीट कैसी है। अगर पुरानी मेडिकल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है या बच्चे की स्थिति को लेकर किसी तरह का संदेह है, तो महिला की स्थिति के अनुसार जरूरी जांच कराई जाती है।

जरूरत पड़ने पर डिलीवरी से पहले उसी समय अल्ट्रासाउंड भी किया जा सकता है। खासकर तब, जब डॉक्टर को बच्चे की पोजिशन, प्लेसेंटा या गर्भावस्था की स्थिति को लेकर कोई चिंता हो। पाकिस्तान के मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी, तो केवल पुरानी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के आधार पर उसका ऑपरेशन कैसे कर दिया गया? डॉ. नूपुर गुप्ता के अनुसार, गर्भावस्था के आखिरी महीनों में बच्चे की स्थिति और उसकी सेहत का आकलन करने के लिए सिर्फ एक पुराना अल्ट्रासाउंड पर्याप्त नहीं माना जाता।

'ईरान के मुकाबले चीन ज्यादा जिम्मेदार', अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए चीन भी अमेरिका का सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने ईरान की तुलना में चीन को ज्यादा जिम्मेदार देश भी बताया। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक रूप से दबाव बनाने के लिए 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है। जिस पर सवाल उठ रहे हैं कि चीन की मदद के बिना ये अभियान सफल नहीं हो सकता। जब इसे लेकर वेंस से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि चीन भी मदद के लिए तैयार है। वेंस ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि चीन सरकार, इस मामले में सहयोग के लिए तैयार है।' हालांकि वेंस ने स्वीकार किया कि अमेरिका और चीन के बीच कुछ नीतिगत मतभेद हैं, लेकिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे संबंध हैं। वेंस ने कहा, 'चीन के बारे में जो कहें, लेकिन वे उस तरह के देश नहीं हैं कि किसी अंतरराष्ट्रीय विवाद में अपनी बात मनवाने के लिए वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी करते रहें।' जेडी वेंस ने बताया कि तुर्किये, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और अन्य खाड़ी देशों सहित कई अन्य देश भी अमेरिका की मदद करने के लिए कदम उठा रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, 'कई देश, कभी-कभी सार्वजनिक रूप से कुछ कहने के लिए तैयार नहीं होते हैं, लेकिन निजी तौर पर वे वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी करने के लिए ईरान को सबक सिखाना चाहते हैं और इस वजह से वे हमारी मदद भी कर रहे हैं।' अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के पास ईरान से निपटने के लिए आर्थिक, सैन्य, राजनयिक और गुप्त उपायों समेत कई विकल्प मौजूद हैं। वेंस का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। वेंस ने कहा कि ईरान पर दबाव बनाने की हम अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं करेंगे क्योंकि इससे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की फैसला लेने की क्षमता सीमित हो जाएगी।

100 साल से केन्या में थी टाटा की कंपनी, अब राष्ट्रपति ने कामकाज बंद करने का दिया आदेश

नैरोबी, एजेंसी। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने काजीआडो के लेक मगाडी में काम कर रही भारतीय कंपनी टाटा केमिकल्स को अपना काम तुरंत रोकने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि एक सदी से भी अधिक समय से इस क्षेत्र में काम करने के बावजूद वह पर्याप्त निवेश, नौकरियां और औद्योगिक विकास लाने में विफल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सरकार टाटा केमिकल्स की जगह नए निवेशकों को लाएगी, जिनसे देश में ही विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) सुविधाएं स्थापित करने को कहा जाएगा।

क्या हम दूसरों के गुलाम हैं : एक विकास दौरे के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रुटो ने कहा, उस टाटा कंपनी के पास यह अनुबंध 100 वर्षों से था, लेकिन उन्होंने काजीआडो में कोई फैक्टरी या ढांचा खड़ा नहीं किया।

उन्होंने जनता से तीखा सवाल पूछा, क्या हम दूसरे लोगों के गुलाम हैं?। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि केन्या की प्राकृतिक संपत्ति का लाभ सबसे पहले केन्याई लोगों को मिलना चाहिए और संसाधनों को सिर्फ निकालकर प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के लिए बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए। सरकार का मानना है कि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण होने से औद्योगिक विकास, रोजगार और कर राजस्व को बढ़ावा मिलेगा।

1911 से चल रहा था परिचालन : टाटा केमिकल्स का काम इस साल जुलाई के अंत में ही निलंबित करने का सरकारी निर्देश दिया गया था, जिसके बाद मगाडी सोडा फैक्टरी का परिचालन और सोडा ऐश का निर्यात रोक दिया गया था। टाटा केमिकल्स ने साल 2005 में इस कंपनी का अधिग्रहण किया था, जबकि यह व्यवसाय 1911 से मगाडी सोडा कंपनी के रूप में चल रहा था। यहां से सालाना 3.5 लाख टन से अधिक सोडा ऐश भारत, दक्षिण-पूर्वी एशिया और मध्य पूर्व के देशों में निर्यात की जाती थी, जिसका उपयोग कांच, डिटर्जेंट, रसायनों और जल शोधन में होता है।

विपक्ष ने उठाए राष्ट्रपति की नीयत पर सवाल : इस बीच, केन्या की विपक्षी पार्टी डेमोक्रेसी फॉर द सिटीजन्स पार्टी (डीसीपी) ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। विपक्ष ने इसे राज्य प्रायोजित आर्थिक तोड़फोड़ करार देते हुए आरोप लगाया है कि टाटा केमिकल्स को बंद कराने के पीछे राष्ट्रपति रुटो के अपने निजी व्यापारिक हित जुड़े हो सकते हैं। डीसीपी का दावा है कि मगाडी क्षेत्र के नीचे खरबों शिलिंग मूल्य के लिथियम धातु के विशाल भंडार और तेल की भारी संभावनाएं हैं। विपक्ष का आरोप है कि रुटो टाटा को हटाकर अन्य हितों को बढ़ावा देना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस फैसले से 1 लाख से अधिक लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और नैरोबी में पेयजल शोधन के लिए सोडा ऐश की आपूर्ति बाधित हो सकती है। केन्या के खनन कैबिनेट सचिव हसन जोहो ने आरोप लगाया है कि मंत्रालय ने वर्षों तक कंपनी के साथ जुड़ने का प्रयास किया, लेकिन कंपनी ने नियमों का पालन नहीं किया। अब इस पूरे विवाद और खनन कार्यों को दोबारा शुरू करने की संभावना से जुड़ी एक याचिका पर 18 नवंबर को केन्या की हाईकोर्ट में सुनवाई होगी।

पाकिस्तान में सच बोलने पर सिख पत्रकार का करियर तबाह, एंकर हरमीत सिंह को बेबाक कवरेज की मिल रही सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिख पत्रकार और टीवी एंकर हरमीत सिंह ने दावा किया है कि स्वतंत्र और बेबाक पत्रकारिता के कारण उन्हें लगातार निशाना बनाया गया। उनका आरोप है कि पहले उन्हें टीवी स्क्रीन से हटाया गया और बाद में राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अलग-अलग चैनलों पर आने से भी रोक दिया गया। हरमीत ने अपने छोटे मीडिया कार्यालय पर पुलिस कार्रवाई और उपकरण जब्त किए जाने का भी दावा किया है। हरमीत सिंह के मुताबिक, वह पाकिस्तान के सिख समुदाय से मुख्यधारा के मीडिया में पहुंचने वाले शुरुआती पत्रकारों में से एक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर

एक संदेश में कहा कि एक हाशिये पर रहने वाले समुदाय से निकलकर मुख्यधारा की पत्रकारिता तक पहुंचना आसान नहीं था। उनके समुदाय के कुछ लोग उनसे यह सवाल भी करते थे कि वह पत्रकारिता में क्यों बने हुए हैं, कोई दूसरा पेशा या कारोबार क्यों नहीं करते। हरमीत ने दावा किया कि परेशानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की कवरेज के बाद शुरू हुई। उनके अनुसार, नवंबर 2024 में उनकी कवरेज के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिनमें इस्लामाबाद में स्न्ढ्ढक्रऔर पेशावर में शुरू की गई जांच भी शामिल है।

उनके अनुसार, मामला अदालत में विचाराधीन है। हरमीत ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके छोटे मीडिया कार्यालय पर छापा मारा और वहां से कंप्यूटर, कैमरे, माइक्रोफोन और अन्य उपकरण जब्त कर लिए। हरमीत सिंह ने अपने ऊपर लगे किसी भी देश-विरोधी या प्रचार से जुड़े आरोप को खारिज किया। उनका कहना है कि उनकी पत्रकारिता का फोकस लोकतंत्र, संविधान की सर्वोच्चता और आम नागरिकों की समस्याओं पर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका नजरिया दूसरों से अलग हो सकता है और शायद यही उनके लिए समस्या बन गया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी पाकिस्तान के खिलाफ काम नहीं किया और न ही अपने देश के खिलाफ किसी तरह के प्रचार में हिस्सा लिया। सिख बुद्धिजीवी अवतार सिंह ने इस मामले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी सिख पत्रकार के कार्यालय पर कथित तौर पर छापा मारना और स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने के कारण कार्रवाई किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

बांग्लादेश के पीएम तारिक ने जन्माष्टमी की दी बधाई, शेख हसीना को बताया कंस

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर बिना नाम लिए तीखा हमला बोला। उन्होंने बांग्लादेश की पिछली सरकार की तुलना मथुरा के राजा कंस से करते हुए कहा कि कंस जैसा क्रूर शासन करीब डेढ़ दशक तक देश में चला और लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित रखा गया। ढाका में आयोजित जन्माष्टमी समारोह में तारिक रहमान ने हिंदू समुदाय के लोगों और पुजारियों से मुलाकात की। उन्होंने देश और दुनिया भर के हिंदुओं को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में भगवान कृष्ण के जन्म की कथा का उल्लेख करते हुए तारिक रहमान ने कहा कि करीब 5,000 साल पहले मथुरा में अत्याचारी राजा कंस का शासन था। हिंदू मान्यता के अनुसार, भगवान कृष्ण ने कंस का अंत कर बुराई पर अच्छाई की जीत स्थापित की। इसके बाद उन्होंने इसी कथा को बांग्लादेश की राजनीति से जोड़ दिया। तारिक रहमान ने कहा कि बांग्लादेश में भी कंस जैसा शासक डेढ़ दशक तक सत्ता में रहा और लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से दूर रखा। उन्होंने दावा किया कि अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग एकजुट हुए और उन्होंने कंस जैसे फासीवादी शासन को सत्ता से हटाने के लिए बलिदान दिया। हालांकि, अपने संबोधन में उन्होंने शेख हसीना का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। तारिक रहमान ने कहा कि वह बांग्लादेश और दुनिया भर के सभी हिंदुओं तथा सनातन धर्म को मानने वाले लोगों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्यक्रम बांग्लादेश सरकार के धार्मिक मामलों के मंत्रालय और हिंदू धार्मिक कल्याण ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया

गया था। कार्यक्रम में तारिक रहमान विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने हिंदू पुजारियों से मुलाकात की और समुदाय के कुछ लोगों को सम्मान राशि भी वितरित की। तारिक रहमान ने दावा किया कि बांग्लादेश अब दोबारा लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के सामने अब अर्थव्यवस्था में सुधार, निष्पक्ष प्रशासन और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की चुनौती है। उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश के पुनर्निर्माण का समय है। बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह भारत आ गईं।

उनकी सरकार के पतन के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। बाद में शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाया गया। हसीना के भारत में रहने और वहां से दिए गए राजनीतिक बयानों के कारण ढाका और नई दिल्ली के संबंधों में भी तनाव देखने को मिला। इसके बाद बांग्लादेश में हुए आम चुनाव में बीएनपी को बहुमत मिला और लंबे समय तक निर्वासन में रहने के बाद तारिक रहमान की सत्ता में वापसी हुई। सत्ता में लौटने के बाद बांग्लादेश की सरकार लगातार भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करती रही है। हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में कई कानूनी मामले भी चल रहे हैं।

चीन में शख्स ने शुरू किया खुजली मिटाने का बिजनेस, हर महीने कमा रहा 14 लाख; मार्केट में भारी डिमांड

बीजिंग, एजेंसी। चीन के एक 32 साल के युवा एंटरप्रेन्योर ने एक बेहद आम सी समस्या को एक अनोखे और कामयाब बिजनेस आइडिया में बदल दिया है। अब लोग अपनी पीठ या शरीर के अन्य हिस्सों की खुजली शांत करने के लिए प्रोफेशनल मदद ले सकते हैं। हुबेई प्रांत के रहने वाले झांग शियाओकियाओ ने शेनझेन शहर में सुमा ब्रांड नाम से इस अनूठी सर्विस की शुरुआत की है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इस थेरेपी का माहौल बिल्कुल किसी लग्जरी मसाज पार्लर जैसा होता है। यहां ग्राहक आराम से बेड पर लेटते हैं और ट्रेंड स्टाफ उनके शरीर को सहलाता है। इसके लिए प्रशिक्षित स्टाफ खास तौर पर डिजाइन किए गए नुकीले नाखूनों का इस्तेमाल करके उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को धीरे-धीरे खुजलाते हैं।

प्रति घंटे मोटी रकम खर्च कर रहे लोग : इस अनोखी सर्विस की कीमत लगभग 4,200 रुपये प्रति घंटा है। इसे केवल खुजली मिटाने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे आराम करने, तनाव कम करने और बेहतर नींद के एक तरीके के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है।

ग्राहक अपनी सुविधानुसार स्टाफ को भी बता सकते हैं कि शरीर के किस हिस्से में ज्यादा खुजली हो रही है, ताकि वे उन जगहों पर अधिक ध्यान दे सकें। कई बार इस एहसास से ग्राहकों को गुदगुदी भी होती है और वे हंसने लगते हैं। झांग बताते हैं कि बड़े शहरों में लोग अक्सर बहुत ज्यादा तनाव महसूस करते हैं। इसी वजह से इस सर्विस की मांग तेजी से बढ़ रही है।

14 लाख रुपये महीने की कमाई : झांग ने मई में शेनझेन के बाओआन जिले में अपना पहला आउटलेट खोला था और सफलता को देखते हुए एक महीने बाद फुटियान जिले में दूसरी ब्रांच भी खोल दी। खबरों के मुताबिक, दोनों स्टोर मिलकर हर महीने करीब 14 लाख रुपये की कुल कमाई कर रहे हैं और ब्रेक-ईवन पॉइंट तक पहुंच चुके हैं।

झांग ने आगे बताया कि हम पुरुष और महिला, दोनों तरह के ग्राहकों को सर्विस देते हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत पुरुष हैं।

कुछ ग्राहकों का मानना है कि हमारी सर्विस पारंपरिक मसाज से भी ज्यादा आरामदायक है। इसी वजह से हमारे पास बार-बार आने वाले नियमित ग्राहकों का एक मजबूत आधार बन गया है।

कहां से मिला आइडिया : यह अनोखा आइडिया सोशल मीडिया और बचपन की यादों के दिलचस्प मेल से पैदा हुआ। पिछले साल, झांग ने इंटरनेट पर एक छोटा सा वीडियो देखा जिसमें एक महिला अपने पति की पीठ खुजला रही थी। वीडियो पर आए कमेंट्स ने उनका ध्यान खींचा, कई लोगों ने लिखा था कि वे अपनी खुजली मिटाने के लिए किसी को खुशी-खुशी पैसे देने को तैयार हैं। इस घटना ने झांग को उनके बचपन की याद दिला दी, जब उनके पिता अक्सर उन्हें सुलाने के लिए प्यार से उनकी पीठ खुजलाया करते थे। इसी के बाद उन्होंने सोचा कि क्या आराम देने वाले इस साधारण से काम को एक पेशेवर सर्विस में बदला जा सकता है।

खुद डेवलप किया खुजलाने का तरीका : चूंकि चीन में पेशेवर तौर पर खुजली मिटाने वाले बिजनेस का कोई स्थापित उदाहरण नहीं था, इसलिए झांग को सर्विस खुद ही डिजाइन करनी पड़ी। उन्होंने अलग-अलग तरीकों का परीक्षण किया और यह पता लगाया कि ग्राहकों के लिए इस अनुभव को सबसे ज्यादा आरामदायक कैसे बनाया जा सकता है। यह स्टार्टअप झांग के पिछले करियर से बिल्कुल अलग है। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने एक साल में सात अलग-अलग नौकरियां की थीं। बाद में सोशल मीडिया इंडस्ट्री में आने से पहले उन्होंने दो क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स कंपनियाँ भी शुरू की थीं, लेकिन उन्हें वैसी कामयाबी नहीं मिली जैसी उम्मीद थी।

100 आउटलेट खोलने का लक्ष्य : अब उनका यह अनोखा आइडिया लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। ऑनलाइन भी इस बिजनेस ने उत्सुकता पैदा की है और लोग मजाक में इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या प्रोफेशनल खुजली मिटाना सच में एक मान्यता प्राप्त पेशा बन सकता है। आने वाले समय में पूरे चीन में सुमा के 100 आउटलेट खोलेंगे और इस अनोखे काम को एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सर्विस प्रोफेशन में बदल देंगे।

डालिंब में जितेंद्र कुमार का रहस्यमयी अवतार

'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार का एक नया प्रोजेक्ट ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी में है। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'डालिंब' है, जो सीधे ZEE पर रिलीज होगी। मराठी में 'डालिंब' का अर्थ अनार होता है, हालांकि यह एक हिंदी भाषी फिल्म है। इसमें जितेंद्र के साथ प्रिया बापट भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में सेट है, जहां एक बच्चे के अचानक गायब होने के बाद रहस्य की परतें खुलनी शुरू होती हैं।

जितेंद्र-बुल्लू का नहीं होगा 'पंचायत' जैसा टकराव

फिल्म में जितेंद्र के साथ उनके 'पंचायत' के साथी कलाकार बुल्लू कुमार भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, बुल्लू और जितेंद्र इसमें एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं बल्कि दोनों अपने-अपने किरदार और कहानी के हिस्से के मुताबिक आगे बढ़ते हैं। यहां दोनों के बीच 'पंचायत' जैसी नोक-झोंक नहीं होगी। 'डालिंब' की कहानी का मुख्य बैकड्रॉप मुंबई की एक हाई-राइज बिल्डिंग है। टीजर में भी बच्चे के गायब होने और उसके बाद पैदा होने वाले तनाव की झलक दिखाई गई है। मेकर्स ने कहानी के बड़े हिस्से को अभी छिपाकर रखा है। इसे सिर्फ बच्चे की तलाश वाली कहानी मानना सही नहीं होगा। इसे साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया जा रहा है। इस कहानी में कई ऐसे प्लॉट और सस्पेंस हैं जो चौंकाएंगे। सूत्रों से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में एक और दिलचस्प संकेत मिला। 'डालिंब' में आस्था का पहलू भी देखने को मिल सकता है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आस्था और मनोविज्ञान का यह मेल 'डालिंब' को पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग बनाता है। कहानी में रहस्य तो है, लेकिन इसके साथ इंसानी सोच और विश्वास को भी जगह दी गई है। यही कारण है कि फिल्म को 'रमन राघव 2.0' या 'असुर' जैसी पारंपरिक मर्डर मिस्ट्री के साथ सीधे जोड़ना ठीक नहीं होगा। 'डालिंब' का ट्रीटमेंट इससे अलग बताया जा रहा है। 'पंचायत' के सचिव जी के तौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले जितेंद्र के लिए 'डालिंब' एक अलग तरह का प्रयोग है। उनका किरदार फिल्म में काफी लेयर्ड है और इसे उनकी स्थापित कॉमिक इमेज से अलग रखने की कोशिश की गई है। 'डालिंब' उन्हें एक ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। साथ ही हाई-राइज बिल्डिंग का सेटअप इस कहानी की अहम जरूरत है। प्रिया और जितेंद्र पहली बार इस तरह की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में साथ दिखाई देंगे। 'डालिंब' में जितेंद्र और बुल्लू की मौजूदगी 'पंचायत' के दर्शकों के लिए जरूर एक कनेक्शन बनाएगी। सूत्रों ने बताया कि 'डालिंब' में बुल्लू एक सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार उत्तर भारत से आया हुआ है और मुंबई की उस बिल्डिंग में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, जहां फिल्म की पूरी कहानी घटती है। यह किरदार इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि कहानी का बड़ा हिस्सा इसी बिल्डिंग के भीतर है।

प्रिया एवेन करेंगी निर्देशन में डेब्यू, अधिकतर शूट मुंबई में ही हुआ है

'डालिंब' के जरिए प्रिया एवेन फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहानी को एक सीमित लोकेशन के भीतर रखते हुए किरदारों और उनके मनोविज्ञान पर फोकस किया है। बच्चे के गायब होने के साथ शुरू होने वाला यह रहस्य धीरे-धीरे वहां रहने वाले हर किरदार की जिंदगी को अपनी चपेट में लेता चला जाता है। फिल्म की शूटिंग का ज्यादातर हिस्सा मुंबई में ही शूट किया गया है।

अगली फिल्म में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे

यशराज बैनर की फिल्म 'सैयारा' से चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे अब अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के अंतिम चरण की शूटिंग में पहुंच गए हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, निर्देशक अली अब्बास जफर की अनाम रोमांटिक-एक्शन फिल्म का करीब दो महीने लंबा यूनाइटेड किंगडम (यूके) शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस दौरान फिल्म के कई अहम ड्रामेटिक सीक्वेंस और तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। फिल्म में अहान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

तीन बड़े गानों पर रहा खास फोकस

सूत्रों के अनुसार...यूके शेड्यूल में फिल्म के तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। इनमें एक सोलो गीत पूरी तरह अहान पांडे के किरदार पर आधारित है, जिसे बर्मिंघम के टाउन हॉल इलाके में फेस्टिवल जैसे माहौल के बीच फिल्माया गया। इस गाने में बड़ी संख्या में डांसर्स और स्थानीय कलाकार शामिल हुए। वहीं, अहान और शरवरी पर दो रोमांटिक गानों की शूटिंग बर्मिंघम, कोवेंट्री, पेनरिथ और कार्लाइल की खूबसूरत लोकेशनों पर हुई।

गैंगस्टर बनने की यात्रा पर आधारित कहानी

फिल्म की कहानी को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक यह सिर्फ एक गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा दिखाएगी, जो परिस्थितियों के चलते अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

फिल्म में मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल

फिल्म में बॉबी देओल का किरदार कहानी का अहम आधार होगा। बताया जा रहा है कि उनका पात्र अहान पांडे के किरदार को अपने संरक्षण में लेकर अपराध की दुनिया में आगे बढ़ाता है। यानी वह एक प्रभावशाली मेंटॉर के रूप में नजर आएंगे, जो कहानी की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।

अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी सिमर भाटिया

श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं सिमर भाटिया अब अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ फिर बड़े परदे पर दिखेंगी। बता दें कि सिमर, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक, सिमर इस बार मलयालम एक्टर रोशन मैथ्यू के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। यह फिल्म एक इमोशनल और कैरेक्टर-ड्रिवन लव स्टोरी होगी। फिल्म का डायरेक्शन अधिराज बोस संभालेंगे, जो इस फिल्म से अपना फीचर डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं। इन्होने 'एक थी डायन' और 'तलवार' जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया हैं। इस रोमांटिक ड्रामा को आयुष माहेश्वरी अपने बैनर बीएलएम पिक्चर्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे, जो पहले 'धक धक', 'लूप लपेटा' और 'यारियां 2' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुका है। फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और मेकर्स की प्लानिंग है कि अगले साल के मध्य में इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए। दूसरी ओर, रोशन जल्द ही 'ट्रायल बाय फायर' के डायरेक्टर प्रशांत नायर की नई स्कैम-थ्रिलर सीरीज 'जॉब ट्रैफिकिंग' में भी दिखेंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है। इससे पहले रोशन मलयालम सिनेमा में 'सी यू सून', 'मूथोन' और हाल ही में आई 'उयिर' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं।

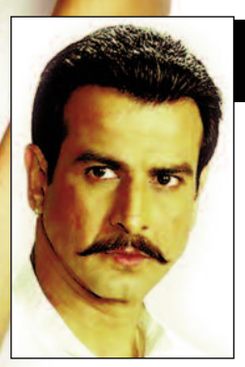

'मॉन्स्टर' में हुई रोनित रॉय की एंट्री

सलमान खान की फिल्म 'मॉन्स्टर' पिछले काफी समय से चर्चा बनी हुई है। इसे शुरुआत में एक प्रोजेक्ट के तौर पर आगे बढ़ाया गया था, लेकिन अब इसकी स्टारकास्ट और कहानी का दायरा लगातार बड़ा होता जा रहा है। फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब रोनित रॉय और सीमा बिस्वास भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। दोनों एक्टर्स फिल्म में अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म में रोनित का किरदार काफी खास बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...'वह फिल्म में पॉजिटिव और बड़े कद वाले किरदार में नजर आएंगे।

वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी की

कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे फाउंड फुटेज फॉर्मेट में बनाया गया है। इस फॉर्मेट में कहानी कैमरे से मिले फुटेज के जरिए आगे बढ़ती है। फिल्म में वीर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ-साथ एक्टर के तौर पर भी नजर आएंगे। फिल्म को नरेश मलिक, जेफ लाजरस और कौशिक श्रीनिवासन की थर्ड फ्रेम स्टूडियो, कविता गुप्ता और विर की जाजू प्रोडक्शंस ने को-प्रोड्यूस किया है। कवी शास्त्री क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में शीबा चड्ढा, सुहैल नय्यर, अरुणोदय सिंह, अहसास चन्ना, अतुल कुलकर्णी, निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, पूजा सरूप और नवीन कौशिक समेत कई कलाकार हैं। फिल्म की कहानी फाउंड फुटेज के जरिए आगे बढ़ेगी। इसमें कैमरे से रिकॉर्ड हुए फुटेज को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म का फोकस किरदारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उनके आसपास होने वाली घटनाओं पर रहेगा। इस फॉर्मेट के चलते फिल्म में पारंपरिक शूटिंग स्टाइल के बजाय कैमरा खुद कहानी का हिस्सा नजर आएगा। वीर ने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए अलग अनुभव रहा। उनके मुताबिक, फाउंड फुटेज फॉर्मेट में कलाकारों को भी अपने अभिनय में स्वाभाविकता बनाए रखने पर काम करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में सभी कलाकारों ने इस अलग तरह की कहानी पर काम करने के लिए प्रयोग किए। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में जाएगी। बता दें कि वीर को पिछली बार फिल्म 'हैप्पी पटेल...' में देखा गया था।

'डोरोथी' में लीड रोल प्ले करेंगी कीर्ति सुरेश

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने अपनी फिल्म 'डोरोथी' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'डोरोथी' उनके दिल के बेहद करीब है और वह इसे कई वर्षों से बनाना चाहते थे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का म्यूजिक इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। वह इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर दोनों की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म में कीर्ति के अलावा सनंत और ऋषिकांत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और बाकी स्टार कास्ट से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है। कार्तिक की पिछली फिल्म 'रेट्रो' थी, जिसमें सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और नासर ने भी अहम किरदार निभाए थे। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अब यह फिल्म कार्तिक के निर्देशन में बनने वाली 10वीं फिल्म होगी। इसके जरिए कीर्ति सुरेश एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने नजर आएंगी।

विजय देवरकोंडा संग नजर आएंगी कीर्ति

कीर्ति सुरेश हाल ही में फिल्म 'रिवॉल्वर रीटा' में नजर आई थीं। अब वह विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'राउडी जनार्धना' में दिखाई देंगी, जो दिसंबर में रिलीज होगी।

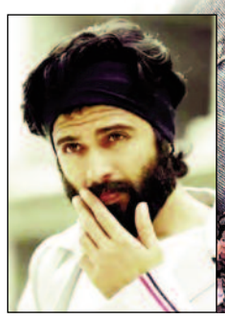

कृति सेनन एड विवाद पर बोलीं उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस कृति सेनन के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट विवाद पर अब उर्वशी रौतेला की प्रतिक्रिया सामने आई है। न्यूज एजेंसी से बातचीत में उर्वशी ने कहा कि वे किसी भी महिला को उसके कपड़ों से जज नहीं करती हैं, लेकिन क्रिएटिविटी के नाम पर सांस्कृतिक संवेदनशीलता से समझौता नहीं होना चाहिए। रक्षाबंधन भारत का बेहद पवित्र त्योहार है और इसकी मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए। बता दें कि ज्वेलरी ब्रांड जीवा के इस विज्ञापन में कृति सेनन के इंडो-वेस्टर्न पहनावे को लेकर सोशल मीडिया पर काफी विरोध हुआ था, जिसके बाद ब्रांड ने विज्ञापन को हटा लिया है। 'क्रिएटिविटी और परंपरा को एक साथ न मिलाएं' बातचीत में उर्वशी रौतेला ने कहा, 'हम आजादी और क्रिएटिविटी का जश्न मनाते हैं, लेकिन हमें यह सोचना होगा कि रक्षाबंधन एक संवेदनशील और पवित्र त्योहार है। इसे देश के करोड़ों लोग मनाते हैं और हमें अपनी परंपराओं पर गर्व है। हमें यह समझना होगा कि क्रिएटिविटी के नाम पर रक्षाबंधन जैसी पवित्र परंपरा से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।' 'हमें तय करना होगा कि कहां सीमा होनी चाहिए' उर्वशी ने बातचीत के दौरान भारतीय संस्कृति के प्रति अपने सम्मान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट रिश्ते का खूबसूरत त्योहार है। उर्वशी ने जोर देते हुए कहा, 'हमें एक सीमा तय करनी होगी कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। आखिरकार हम सब भारतीय हैं और हमें अपने देश और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।'

क्या है पूरा विवाद

कृति सेनन ने एड में रिवीलिंग कपड़े पहने- यह पूरा विवाद जीवा ज्वेलरी ब्रांड के 36 सेकंड के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट से शुरू हुआ था। रक्षाबंधन से जुड़े इस एड में कृति ने ऑफ व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहना था। सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने इस लुक की आलोचना की। उनका कहना था कि परिवार और परंपरा से जुड़े त्योहार के लिए यह आधुनिक स्टाइल सही नहीं है।

महाविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के बी.एड. विभाग में महान शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संरक्षक डॉ. डी.एस. नेगी, बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. बी.सी. शाह एवं विभाग के सभी शिक्षकगण– डॉ. सुषमा थलेड़ी भट्ट, डॉ. एस.के. आर्या, डॉ. डी.के. मौर्य, डॉ. सुनीता नौटियाल, उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना की गई। इसके पश्चात शिक्षकगणों के स्वागत एवं अभिनंदन में बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. बी.सी. शाह ने अपने उद्बोधन में सभी शिक्षकगण एवं प्रशिक्षुओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने शिक्षक की भूमिका एवं उसके सामाजिक दायित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक शिक्षक विद्यार्थियों को केवल विषयगत ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उनके व्यक्तित्व, चरित्र एवं जीवन–मूल्यों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बी.एड. प्रशिक्षुओं को अपने भावी शिक्षक के दायित्व को गंभीरता से समझने तथा शिक्षण कार्य को निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात महाविद्यालय के संरक्षक डॉ. डी.एस. नेगी ने अपने संबोधन में शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षक को समाज का मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से एक शिक्षक विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करता है। उन्होंने बी.एड. प्रशिक्षुओं को निरंतर अध्ययन करते रहने, अपने ज्ञान में वृद्धि करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संवेदनशील एवं जिम्मेदार शिक्षक बनने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर किए गए आयोजन की सराहना भी की।

इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं। प्रशिक्षुओं ने शिक्षक दिवस के महत्व पर भाषण, गीत एवं कविताएँ प्रस्तुत कीं। इसके अतिरिक्त शिक्षक गणों के सम्मान में मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रशिक्षुओं ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान, स्नेह एवं कृतज्ञता की भावना व्यक्त की। प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत एवं आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों एवं बी.एड. प्रशिक्षुओं ने शिक्षक दिवस की खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर पर सभी के बीच सौहार्द एवं आत्मीयता का वातावरण बना रहा।

अंत में बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा उपस्थित सभी शिक्षक गणों के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया। प्रशिक्षुओं ने अपने शिक्षकों से प्राप्त ज्ञान, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के लिए कृतज्ञता प्रकट की। शिक्षक गणों एवं प्रशिक्षुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता से कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस प्रकार शिक्षक दिवस समारोह शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ–साथ बी.एड. प्रशिक्षुओं को अपने भावी शिक्षक दायित्वों के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करने वाला एक सार्थक एवं यादगार आयोजन रहा।

भल्डगांव में आंदोलन शिफ्ट कराने पहुंचे अधिकारी

चिन्यालीसौड़। विस्थापन की मांग को लेकर भल्ड गांव के ग्रामीणों का आंदोलन शनिवार को 26वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर पहुंची प्रशासन और पुलिस की टीम ने ग्रामीणों से धरना स्थगित करने और स्थल को दूसरी जगह शिफ्ट करने को कहा लेकिन ग्रामीणों ने प्रशासन के इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। शनिवार को तहसीलदार जबर सिंह असवाल, कानूनगो, पटवारी और पुलिस प्रशासन की टीम एएस-ाआई के नेतृत्व में धरना स्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर धरना समाप्त अथवा स्थगित करने और धरना स्थल बदलने का आग्रह किया। ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि धरना स्थल बदलने से उनकी समस्या का समाधान नहीं होगा। ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी विस्थापन संबंधी मांग को लेकर लंबे समय से आवाज उठा रहे हैं। प्रशासन को उन्हें बार–बार धरना स्थल से हटाने के प्रयास करने के बजाय उनकी समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में पहल करनी चाहिए। ग्रामीणों ने मांगों पर ठोस निर्णय लेने के लिए प्रशासन से तत्काल वार्ता शुरू करने की मांग की। ग्रामीणों ने साफ किया कि वे किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे जब तक उनकी मांगों का समाधान नहीं होता, तब तक न तो धरना स्थगित किया जाएगा।

धरने में कमलू लाल, कमल लाल, गोपीनाथ सिंह रावत, संदीप लाल, पुरुषोत्तम लाल, दीपक लाल, जगदीश प्रसाद, सुंदर मणी, लीला देवी, विमला देवी पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य, सुमति देवी पूर्व प्रधान, सेणी देवी, सैला देवी, रुकमा देवी, नीलम देवी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गड्ढों और सड़क पर बहते पानी ने बढ़ाई परेशानी

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय के नजदीक बग्याल गांव का करीब चार किमी मोटर मार्ग बरसात के बाद बदहाल हो गया है। मार्ग के करीब ढाई किमी हिस्से में जगह–जगह गहरे गड्ढे बने हैं। साथ ही सड़क पर बहते पानी से वाहन चालकों के साथ ही राहगीरों को भी आवाजाही में परेशानी हो रही है।भटवाड़ी ब्लॉक के कनिष्ठ प्रमुख योगेश डंगवाल और ग्राम प्रधान पुष्पा भट्ट ने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण कई दोपहिया वाहन चालक चोटिल हो चुके हैं। बरसात के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है। जगह–जगह गड्ढों में पानी भरने और सड़क पर पानी बहने से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने जल्द मार्ग की मरम्मत और सुधारीकरण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

टेक्नीशियन के अभाव में एक्सरे मशीनों का संचालन ठप

नई टिहरी। जिले के 12 में से 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एक्सरे टेक्नीशियन न होने से एक्सरे मशीनों का संचालन ठप पड़ा है जिससे क्षेत्र के लोगों को एक्सरे की सुविधा के लिए अन्य केंद्रों के अलावा जिला अस्पताल बौराड़ी का रुख करना पड़ रहा है।

जिले के नौ ब्लॉकों में 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। 4 ऐसे स्वास्थ्य केंद्रों में है, जिनमें एक्सरे मशीनें तो है, लेकिन उसके संचालन के लिए टेक्नीशियन नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को एक्सरे की सुविधा नहीं मिल रही है। टेक्नीशियन के अभाव में स्वास्थ्य केंद्रों में रखी मशीनें धूल फांक रही हैं। स्वास्थ्य केंद्रों पर एक्सरे की सुविधा न मिलने से संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों आपातकालीन स्थिति या चोट लगने के दौरान एक्सरे के लिए कई किलोमीटर दूर अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा जिला अस्पताल बौराड़ी का आना पड़ता है। टेक्नीशियन के अभाव में लाखों की रुपये की मशीनें स्वास्थ्य केंद्रों पर बेकार पड़ी है। सीएचसी मदन नेगी की एक्सरे टेक्नीशियन प्रसव अवकाश होने से मशीन का संचालन बंद पड़ा है।

मक्का विलेज के रूप में पहचान बना रहा है सैंजी गांव

नैनबाग (टिहरी)। एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने जौनपुर ब्लॉक के सैंजी गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गांव की समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया कि सैंजी गांव मक्का विलेज के रूप में पहचान बना रहा है। ग्रामीणों ने सैंजी गांव को जोड़ने वाली लिंक रोड को पक्का करने, बरसात के दौरान सड़क पर एकत्रित पानी की निकासी कराने, पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए गांव में वाटर पार्क बनाने, सड़क कटान में गई जमीन का मुआवजा और लखवाड़ बांध परियोजना प्रभावितों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग उठाई। एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर मांगों का शीघ्र निस्तारण करने को कहा है। बताया गया कि सैंजी गांव मक्का विलेज के रूप में पहचान बना रहा है।

चंबा ब्लॉक की संस्कृत प्रतियोगिता 23 और 24 को

नई टिहरी। संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए उत्तराखंड संस्कृत संस्थानम् की ओर से ब्लॉक स्तर पर छह प्रकार की संस्कृत स्पर्धा आयोजित की जा रही है। स्पर्धा के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खंड संयोजक केबी सिंह ने बताया कि स्पर्धा कनिष्ठ वर्ग में कक्षा छह से 10 वीं तक और वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 11 से एमए,एमएससी के छात्र प्रतिभाग कर सकते हैं। स्पर्धा में मान्यता प्राप्त विद्यालय और महाविद्यालय के छात्र प्रतिभाग कर सकते हैं। खंड संयोजक ने बताया कि चंबा ब्लॉक की स्पर्धा 23 और 24 सितंबर 2026 को राजकीय संस्कृत महाविद्यालय चंबा में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में संस्कृत नाटक, समूह गान, समूह नृत्य संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता, आशु भाषण, श्लोकोच्चारण आदि प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। ब्लॉक के बाद जिला और उसके बाद राज्य स्तर पर भी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

घर का ताला तोड़कर गहने चोरी

नरेंद्रनगर(टिहरी)। नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर दो में रेडक्रॉस स्कूल के पास चोरों ने दिन दहाड़े धमांदा भवन का ताला तोड़कर गहने चुरा लिए। भवन स्वामी राजपाल धमांदा ने बताया कि वह शुक्रवार सुबह दुकान पर गए थे। करीब साढ़े 11 बजे उनकी पत्नी भी कीर्तन में शामिल होने चली गईं। घर पर कोई नहीं था। इस दौरान चोर मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी का ताला तोड़कर तिजोरी में रखे सोने–चांदी के जेवर चोरी कर फरार हो गया। घटना का पता चलने पर राजपाल धमांदा के पुत्र गौरव ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुरेंद्र सिंह भंडारी ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वहीं स्थानीय लोगों ने चोर को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

शिक्षक सम्मान समारोह में 205 शिक्षक-शिक्षिकाएं सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विष्णु सिंह रावत सामाजिक संस्था की संयोजिका रंजना रावत एवं संस्था के आयोजन सचिव तथा पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ प्रेम सिंह पयाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में विभिन्न विद्यालयों के 205 शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेशक ब्रजमोहन सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रेम बहुखंडी, अतिविशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी सुदर्शन सिंह बिष्ट, कार्यक्रम संयोजिका रंजना रावत, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य भुवन मोहन गुसाईं एवं प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजयपाल रावत सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने सभी सम्मानित शिक्षक-शिक्षिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का संपूर्ण जीवन शिक्षा, दर्शन एवं राष्ट्रसेवा को समर्पित रहा। उनके आदर्शों और विचारों से प्रेरणा लेकर शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। समारोह में शिक्षकों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा गया कि राष्ट्र के निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन मूल्यों की शिक्षा देकर जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सिलगांव में भालू ने नकदी फसलों को पहुंचाया नुकसान

उत्तरकाशी। भटवाड़ी ब्लॉक के उत्तरैं गांव के सिलगांव क्षेत्र में इन दिनों भालू का आतंक बना है। भालू लगातार खेतों में पहुंचकर ग्रामीणों की नगदी फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल है और वे खेतों में रोजमर्रा के कृषि कार्य करने से भी कतरा रहे हैं। ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सिलगांव क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से भालू की लगातार आवाजाही देखी जा रही है। भालू खेतों में घुसकर धान, मक्की, खीरा समेत अन्य फसलों को बर्बाद कर रहा है। इससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि खेत गांव से कुछ दूरी पर होने के कारण वहां काम करने के दौरान भालू के हमले का खतरा बना रहता है। इससे भालू के डर से कई लोग अकेले खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं। सुबह और शाम के समय खतरा और अधिक महसूस हो रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में भालू की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। इसके साथ ही वन विभाग से प्रभावित किसानों की फसलों का निरीक्षण कर उचित मुआवजा देने और भालू के आतंक से निजात दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

वायरल के मरीजों की ओपीडी हुई 200 पार

बड़कोट। मौसम बदलते ही बड़कोट क्षेत्र में वायरल ने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। पिछले कुछ दिनों से अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में बुखार, बदन दर्द, सिरदर्द और कमजोरी की शिकायत लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसका सीधा असर सीएचसी बड़कोट की ओपीडी पर पड़ा है। यहां रोजाना आने वाले मरीजों की संख्या 100–120 से बढ़कर 200 के पार पहुंच गई है। अगस्त से ही वायरल के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा दर्ज किया जा रहा है। क्षेत्र में कुछ समय पहले वायरल फीवर के साथ लूज मोशन और टाइफाइड के मामले भी बढ़े थे लेकिन अब इन मामलों में कमी आई है। इसके बावजूद वायरल फीवर का प्रकोप बना हुआ है और अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ रही है। चिकित्सकों के अनुसार मौसम

में बदलाव के दौरान वायरल संक्रमण तेजी से फैलता है। बुखार, बदन दर्द, सिरदर्द, कमजोरी और अन्य लक्षणों वाले मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। निजी क्लीनिकों में भी मरीजों की बढ़ती संख्या से स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ा है। सीएचसी बड़कोट के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अंगद सिंह राणा ने लोगों से सतर्कता बरतने को कहा है। उन्होंने कहा कि पानी को फिल्टर करने के साथ ही संभव हो तो अच्छी तरह उबालकर पिएं।

शिक्षक दिवस पर आर्मी पब्लिक स्कूल के शिक्षक सम्मानित

शिक्षक दिवस पर गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में सम्मानित हुए शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : शिक्षक दिवस के अवसर पर गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के ऑडिटोरियम में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आर्मी पब्लिक स्कूल, लैंसडौन के शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट, समर्पित एवं सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम ने शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण के महत्व को रेखांकित करते हुए समाज एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की केंद्रीय भूमिका का संदेश दिया। समारोह को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण में शिक्षकों के साथ-साथ माता-पिता की भूमिका

भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं जिम्मेदारी की भावना को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व को दिशा देकर उन्हें बेहतर एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आर्मी पब्लिक स्कूल के शिक्षकों के समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र के भावी नागरिकों के निर्माण में शिक्षकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को मिला सम्मान उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना के साथ-साथ उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाला है। समारोह के दौरान शिक्षकों के सम्मान से आर्मी पब्लिक स्कूल परिवार में उत्साह और गौरव का माहौल रहा।

आरव ने बेस्ट कृष्ण तो श्रीद्धि ने जीता बेस्ट राधा का खिताब

जन्माष्टमी पर अभ्युदय परिवार ने कराई विभिन्न प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : अभ्युदय परिवार लैंसडौन की ओर से जन्माष्टमी के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर किया। रंग-बिरंगे परिधानों में प्रतिभागियों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित बेस्ट राधा-कृष्ण प्रतियोगिता में बेस्ट कृष्ण का खिताब आरव, बेस्ट राधा का खिताब श्रीद्धि ने हासिल किया। वहीं यशोदा एवं बाल कृष्ण प्रतियोगिता में पल्लवी एवं वामिका लखेड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ज्योति शाह एवं आराध्या शाह द्वितीय तथा काजल एवं रुद्र तृतीय स्थान पर रहे। जन्माष्टमी समारोह के दौरान कालेश्वर कीर्तन मंडली एवं सुबेदार मोहल्ले की मंडली ने मनमोहक डांडिया की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ दोनों मंडलियों की प्रस्तुति की जमकर सराहना की।

अभ्युदय परिवार की भावना वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर मंच प्रदान करना तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे पूरे आयोजन में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

पर्वतारोहियों ने शिंकुन वेस्ट पीक पर फहराया तिरंगा

उत्तरकाशी। 6,130 मीटर उंची शिंकुन वेस्ट पीक पर पर्वतारोही दल ने सफलतापूर्वक तिरंगा फहराया। खास बात यह है कि अभियान दल अब इसी पर्वतारोहण सत्र में महज 25 दिनों के भीतर दूसरी बार शिंकुन वेस्ट पीक के सफल आरोहण की तैयारी में जुट गया है।

अभियान का नेतृत्व कर रहे स्नो लेपर्ड उत्तराखंड सांकरी ट्रेकिंग एजेंसी के पर्वतारोही प्रशांत रावत ने बताया कि वर्तमान पर्वतारोहण सत्र में शिंकुन वेस्ट पीक उनका पहला सफल समिट था। अभियान की शुरुआत बीते 23 अगस्त को मनाली से हुई थी। पहले आरोहण दल में मनाली, हिमाचल प्रदेश के नरेश कुमार, ऋषिकेश की साक्षी अरोड़ा और कश्मीर की श्रेया शर्मा शामिल थीं। प्रशांत रावत के अनुसार, पहले सफल समिट के बाद उन्होंने बिना समय गंवाए इसी पर्वतारोहण सत्र में दूसरी बार शिंकुन वेस्ट पीक के आरोहण की तैयारी शुरू कर दी।

बीते दो सितंबर को दूसरा अभियान शुरू किया गया। इस बार उनके साथ कुल सात सदस्यीय पर्वतारोही दल हैं। दूसरे अभियान के साथ पर्वतारोही दल ने वर्तमान क्लाइम्बिंग सीजन में एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किया है। टीम का उद्देश्य महज 25 दिनों के भीतर 6,130 मीटर उंची शिंकुन वेस्ट पीक का दो बार सफल आरोहण पूरा करना है।

डीएम ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार ने शनिवार को राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं मशीनों के रख-रखाव का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में स्थापित सुरक्षा एवं निगरानी प्रणालियों का गहनता से परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप डबल लॉक व्यवस्था में सुरक्षित रखी पाई गईं।

जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, साफ-सफाई तथा सुरक्षा प्रबंधों का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा के लिए स्थापित सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन यंत्रों तथा अलार्म सिस्टम की कार्यशीलता की स्वयं जांच की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निगरानी एवं सुरक्षा उपकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी तकनीकी खराबी का तत्काल निस्तारण किया जाए, ताकि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था हर समय प्रभावी बनी रहे। जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम में सुरक्षित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 04 बद्रीनाथ के ईवीएम-वीवीपैट का भी निरीक्षण किया तथा उनके सुरक्षित रख-रखाव की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव तथा वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डी.सी. सती , कांग्रेस से मोहन लोहनी, भाजपा से अमित कुमार सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधी, संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

'रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं'

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, 'सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें - अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।' वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। ' वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, 'आपको क्या चाहिए?' अभिषेक ने कहा, 'आपका आशीर्वाद,' इस पर युवराज ने कहा, 'हमेशा। '

बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर

चौथे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी। इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी। टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा

खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही। मंधाना ने 64 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। मंधाना का टी20 क्रिकेट का यह दूसरा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 18वां शतक था। मंधाना अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

सीपीएल 2026: दासुन शनाका का ऐतिहासिक शतक

सेंट किट्स ने सेंट लूसिया को 137 रन से हराया

वार्नर पार्क । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 25वें मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने इतिहास रच दिया। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की तरफ से खेलते हुए शनाका ने लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। शनाका की शतकीय पारी की बदौलत सेंट किट्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 137 रन के विशाल अंतर से हराया। सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट किट्स की तरफ से पारी की शुरुआत जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने की। शुरुआत अच्छी नहीं रही और मायर्स मात्र 1 रन बनाकर 8 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। चार्ल्स और फ्लेचर ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी की। चार्ल्स 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद दासुन शनाका चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

बीसीसीआई ने किया ऐलान: पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है। 'सुजुकी कप' नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच 'स्पोर्ट 75' नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है। '

उन्होंने आगे कहा, 'भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं। '

सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर हम उस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई, जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने और आने वाले वर्षों में इस रिश्ते को और आगे बढ़ाने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करेगा। '

फैन्स की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आयोजक सानो वेन्यू की क्षमता को आमतौर पर 500 दर्शकों से बढ़ाकर 2,000 करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही आधिकारिक तौर पर टिकटों की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एशियन गेम्स के पुरुष इवेंट में खेलने के लिए जापान आ रही है।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एग्जीक्यूटिव नाओकी मियाजी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस के आने को स्थानीय स्तर पर इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। 'मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को जापान में क्रिकेट के लिए घर में बुलाना हमारी एसोसिएशन के लिए एक यादगार पल है।

10,000 रन की लिस्ट में 3-4 और भारतीय खिलाड़ियों को देखना चाहती हूं: स्मृति

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने दुबई में टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे महिला एशिया कप में गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ खेले गए मैच में 64 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली। अंतरराष्ट्रीय टी20 में मंधाना का यह दूसरा और ओवरऑल 18वां शतक था। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्मृति मंधाना का भारत में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ा योगदान रहा है। मंधाना ने तीनों ही फॉर्मेट में अपनी दमदार बल्लेबाजी दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की तरफ खींचा है। साथ ही लड़कियों में क्रिकेट खेलने के प्रति रुचि जगाई है। हांगकांग के खिलाफ भारतीय टीम की 137 रन से जीत के बाद मंधाना ने बीसीसीआई द्वारा साझा वीडियो में कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि यह मेरा काम है। मैंने कभी भी रिकॉर्ड्स और नंबर्स और इंडिया के लिए जीते गए मैचों की संख्या के अलावा किसी और चीज के बारे में

नहीं सोचा। यह एक ऐसा पैमाना है जिसे आप वापस लेते हैं। आप यह वापस नहीं लेते कि आपने कितने रन या रिकॉर्ड तोड़े हैं। ' मंधाना ने कहा, 'अगर मेरी वजह से दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा होगा जिस पर मुझे हमेशा गर्व और खुशी होगी। 'अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान हासिल करने पर मंधाना ने कहा, 'मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हूं। वह हर किसी के लिए आदर्श रही हैं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 10,000 तक पहुंचूंगी और उनसे आगे निकल जाऊंगी। उम्मीद है कि 10,000 की लिस्ट में इंडियन सेट-अप से तीन-चार और खिलाड़ी होंगे और मैं इसी से आंकलन करना चाहूंगी। अगर मैं सवाल पर वापस आऊं, तो टॉप पांच लिस्ट में तीन या चार को साथ रखना बहुत अच्छा होगा, और वहां तीन या चार भारतीय होंगे। मुझे लगता है कि मैं इसी से अपने करियर को आंकूंगी। '

स्मृति अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हो गई हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 10,880 रन बनाए हैं। हांगकांग के खिलाफ मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा।

मंधाना ने अपने खेल में सुधार की बात की। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगी कि आप एक बल्लेबाज या गेंदबाज के तौर पर कभी पूरे होते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है, तो क्रिकेट हमेशा आपको दिखाएगा कि आप पूरे नहीं हैं। '

दलीप ट्रॉफी: फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज

नई दिल्ली । भारत के इंटरनेशनल खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से 6 सितंबर से होनी है। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहे थे। सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल 4 विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं। इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है। पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं। तिलक ने हाल ही में नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में साउथ जोन के लिए शानदार शतक लगाया था और रेड-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने की इच्छा जाहिर की थी। तिलक वर्मा ने गुरुवार को कहा, ' मैं दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलना चाहता हूं। अभी हमारा मैच खत्म हुआ है और अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी20 मैच 13 सितंबर को है। इसी कारण मेरे पास फाइनल खेलने का समय है। फाइनल के बाद हमारे पास दो दिन का ब्रेक भी रहेगा। अगर मैं 11 सितंबर को टीम से जुड़ता हूं, तो एक दिन अभ्यास कर सकता हूं और फिर मैच खेलने के लिए तैयार रहूंगा।' तिलक ने सेमीफाइनल में साउथ जोन की कप्तानी की थी, जबकि ईशान किशन ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए नजर आए थे। वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन के उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली थी।

पाक टीम में हुए बदलावों को लेकर गिलेस्पी ने की आकिब जावेद की आलोचना

बोले- डरकर खेल रहे खिलाड़ी

एडिलेड। पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के बीच टीम में किए गए बड़े बदलावों के बाद चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नेशनल टीम के खिलाड़ी डर के साये में खेल रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में मिली बड़ी हार के बाद कड़े फैसले लिए हैं।

बोर्ड ने हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को उनके पद से हटा दिया। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक और सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर घर भेज दिया गया है। यह कार्रवाई हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद की गई। 2024 में पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने वाले गिलेस्पी ने कहा कि अचानक हटाए जाने से पता चलता है कि जावेद की अगुवाई वाली सिलेक्शन कमेटी में रणनीतिक दिशा की पूरी तरह कमी है।

शुक्रवार को गिलेस्पी ने कहा, 'मुझे खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है, यह उनकी रोजी-रोटी है। बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि वे डरकर खेल रहे हैं। सलमान अली आगा इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करते हैं, फिर दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं और तीसरे टेस्ट से पहले घर लौटने वाले प्लेन में होते हैं। यह कैसे होता है? यह बिल्कुल साफ है कि उनके पास कोई सिलेक्शन रणनीति नहीं है, खासकर आकिब जावेद के नेतृत्व में। वे अपनी राय वैसे ही बदलते हैं, जैसे पैंट बदलते हैं- रोजाना। '

भारतीय अंडर 19 टीम के लेग स्पिनर रोहित यादव पर 2 साल का बैन

उम्र में गड़बड़ी के कारण कार्रवाई

नई दिल्ली । क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को रोहित यादव के जन्म से जुड़े कागजात में उम्र को लेकर बड़ी गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद भारत की अंडर-19 पुरुष टीम के लेग-स्पिनर पर दो साल का बैन लगा दिया गया है। यादव जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 पुरुष टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यूथ टेस्ट में 6 विकेट भी लिए थे। हालांकि, कागजात की जांच में जन्म-रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी पाए जाने के बाद अब उन्हें खेल के सभी फॉर्मेट में खेलने से रोक दिया गया है। इस कारण उन्हें उस टीम से भी बाहर कर दिया गया है, जो इस महीने के आखिर में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने वाली है। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सीएबी से जानकारी मिलने के बाद उन्हें टीमों से हटा दिया गया है। दोनों टीमों में उनकी जगह कौन लेगा, इस बारे में बाद में पता चलेगा।' सीएबी की

जांच में यादव से जुड़े कई दस्तावेजों में अलग-अलग जानकारी मिली। जांच के दौरान उनके तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए, जिनमें जन्म वर्ष 2006, 2007 और 2009 दर्ज है। इसके अलावा, 2014 से 2021 के बीच उनके आधार कार्ड की जानकारी में भी कई बार बदलाव किए गए थे। माना जा रहा है कि इन अलग-अलग रिकॉर्ड की वजह से उनकी उम्र को लेकर करीब 27 महीने का अंतर सामने आया है।

सीएबी की कार्रवाई के तहत, उम्र में गड़बड़ी और कागजात में अनियमितताओं के कारण कुल 65 खिलाड़ियों को 2026-27 और 2027-28 घरेलू सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन या ट्रांसफर से रोक दिया गया है। सजा पाने वालों में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 4 विकेट लिए थे और भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, सीएबी की जांच में रवि कुमार की उम्र से जुड़े रिकॉर्ड में 45 महीने का अंतर पाया गया है। इसके चलते 2021/22 से 2025/26 सीजन के बीच जूनियर और उम्र-वर्ग की प्रतियोगिताओं में उनके सभी रिकॉर्ड अमान्य माने जाएंगे।